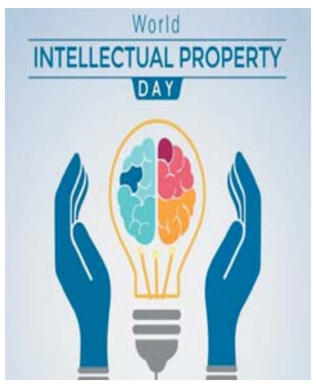

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

.वर्ष 54/ अंक 259/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ▪आर.एन.आई 22296/71 ▪डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शनिवार 26 अप्रैल 2025 भोपाल से प्रकाशित dainiksandhyaprakash.in

साभार सोशल मीडिया से

प्रधानमंत्री रोजगार मेले को पीएम ने किया वर्चुअली संबोधित

पीएम मोदी ने रोजगार मेले में बांटे 51000 से ज्यादा नियुक्ति पत्र, युवाओं के खिले चेहरे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को 15वें रोजगार मेले के तहत वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त 51,000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किया।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी बयान के अनुसार, रोजगार मेला देश भर में 47 स्थानों पर आयोजित किया गया और यह रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की केंद्र की प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

कई विभागों के लिए शामिल हुए चयनित उम्मीदवार- इस राष्ट्रव्यापी पहल का उद्देश्य युवा सशक्तीकरण के लिए सार्थक अवसर प्रदान करना और उन्हें देश की प्रगति में प्रभावी योगदान देने में सक्षम बनाना है। भारत के विभिन्न भागों से चयनित नए उम्मीदवार राजस्व विभाग, कार्मिक और लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय, गृह मंत्रालय, डाक विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, रेल मंत्रालय, श्रम और रोजगार मंत्रालय सहित केंद्र सरकार के मंत्रालयों और विभागों में शामिल हुए।

अक्टूबर 2022 में रोज़गार मेला शुरू होने के बाद से केंद्र सरकार ने 10 लाख से ज़्यादा स्थायी सरकारी नौकरियां दी हैं। पिछले साल दिसंबर में आयोजित रोजगार मेले के 14वें संस्करण के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला था कि 71,000 नौकरियों के प्रस्ताव वितरित किए गए थे।

कब हुई थी रोजगार मेले की शुरुआत

22 अक्टूबर, 2022 को शुरू हुए रोज़गार मेले के पहले संस्करण में 75,000 नियुक्ति पत्र वितरित किए गए थे, जो युवाओं के लिए मज़बूत रोज़गार के अवसर पैदा करने के सरकार के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है। रोजगार सृजन को सुगम बनाने तथा नौकरी चाहने वालों और विभिन्न सरकारी क्षेत्रों के बीच की खाई को खत्म करने के लिए 10 लाख कर्मियों की भर्ती अभियान शुरू किया गया था। इस पहल को न केवल बेरोजगारी को कम करने, बल्कि युवा व्यक्तियों को भारत की विकास गाथा में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सशक्त बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज ने सौंपे नियुक्ति पत्र

भोपाल। समन्वय भवन में शनिवार को प्रधानमंत्री रोजगार मेला आयोजित हुआ। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरकारी नौकरियों में चयनित अभ्यार्थियों को वर्चुअली संबोधित किया। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। यह मेला आज देश के 47 स्थानों पर आयोजित हो रहा है। जिसमें प्रयागराज, लखनऊ, चेन्नई समेत कई स्थान शामिल है। इसके तहत सरकारी नौकरियों में चयनित 51 हजार से अधिक अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे जा रहे हैं। कार्यक्रम में राज्य मंत्री कृष्णा गौर, मंत्री करण सिंह वर्मा, महापौर मालती राय समेत कई नेता मौजूद रहे। वहीं, कार्यक्रम में भोपाल के 200 से ज्यादा अभ्यर्थियों ने भाग लिया।

वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने वर्चुअल संबोधन में कहा कि देश के अलग-अलग विभागों में 51,000 से ज्यादा युवाओं को पक्की नौकरियां मिली हैं। उन्होंने कहा कि ये सभी युवा देश की आंतरिक सुरक्षा, आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर और श्रमिकों के लाभ के लिए अहम भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने बताया कि स्टार्टअप इंडिया और स्टील इंडिया जैसी योजनाओं के जरिए सरकार युवाओं को रोजगार के नए अवसर दे रही है। आज भारत में सबसे ज्यादा रियल टाइम डिजिटल ट्रांजैक्शन हो रहे हैं और देश डेटा साइंस और इनोवेशन में आगे बढ़ रहा है।

बजट में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने की योजना है- प्रधानमंत्री ने बताया कि इस बार के बजट में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने की योजना है, ताकि युवा ग्लोबल स्तर के प्रोडक्ट बना सकें। उन्होंने कहा कि खादी और ग्राम उद्योग का टर्नओवर पहली बार 1 लाख 70 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा हुआ है, जिससे गांवों में रोजगार के नए रास्ते खुले हैं। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि जल्द ही मुंबई में युवाओं और क्रिएटिव लोगों के लिए एक बड़ा समिट होने जा रहा है, जहां उन्हें स्टार्टअप और एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से जुड़े मौके मिलेंगे। प्रधानमंत्री ने ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण पर भी खास जोर दिया। उन्होंने बताया कि अब देश में 90 लाख से ज्यादा सेल्फ हेल्प ग्रुप हैं और 10 करोड़ से ज्यादा महिलाएं इससे जुड़ी हैं। सरकार ने इन समूहों को 20 लाख रुपए तक का लोन बिना गारंटी देने का प्रावधान किया है।

सांध्यप्रकाश विशेष

वेटिकन सिटी में हुआ पोप फ्रांसिस का अंतिम संस्कार, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने दी श्रद्धांजलि दुनियाभर से पहुंचे नेता कर रहे अंतिम दर्शन

वेटिकन सिटी/नई दिल्ली। कैथोलिक चर्च के सबसे बड़े धर्मगुरु पोप फ्रांसिस का अंतिम संस्कार स्थानीय समयानुसार आज 1.30 बजे वेटिकन सिटी में स्थित सेंट पीटर्स स्क्वायर में हुआ। दुनियाभर के राष्ट्रीय अध्यक्ष इस अंतिम संस्कार समारोह में शामिल होने के लिए वेटिकन पहुंचे हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार समारोह में शामिल होने के लिए दो दिनों के वेटिकन सिटी के दौरे पर हैं। शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी वेटिकन पहुंची और सेंट पीटर्स बेसिलिका में दिवंगत पोप को श्रद्धांजलि अर्पित की। राजकीय शोक में भारतीय झंडा आज झुका रहेगा।

वेटिकन के अनुसार, पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार समारोह में 130 विदेशी प्रतिनिधिमंड शामिल होंगे, इनमें 10 राष्ट्राध्यक्ष और 10 सम्राट शामिल हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, ब्रिटेन के प्रिंस विलियम, ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला दा सिल्वा समेत कई वैश्विक नेताओं और गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहेंगे। बता दें कि 21 अप्रैल को पोप फ्रांसिस का निधन हो गया। वह पिछले कुछ समय से किडनी के बीमारी से पीड़ित थे। उन्हें आखिरी दिनों में डबल निमोनिया हो गया था, जिसकी वजह से उनका स्वास्थ्य और गिर गया। पोप फ्रांसिस का असली नाम जॉर्ज मारियो बर्गोलियो था, जो कि 2013 में पोप बने थे।

सिंधु जल संधि को लेकर बिलावल भुट्टो की गीदड़ भभकी- नदी का पानी बहेगा या फिर उनका खून!

नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच लगातार बढ़ रहे तनाव के बीच पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री और पीपीपी के प्रमुख बिलावल भुट्टो ने सिंधु जल संधि को लेकर भारत को गीदड़ भभकी दी है। बिलावल ने कहा कि सिंधु नदी पाकिस्तान की है और अगर भारत ने उसका पानी रोकने की कोशिश की

तो भारत को इसका अंजाम भुगतना पड़ेगा। एक रैली में पाकिस्तान के लोगों को संबोधित करते हुए भुट्टो ने कहा मैं सिंधु दरिया के पास खड़े होकर यह साफ कर देना चाहता हूं कि सिंधु नदी हमारी थी, हमारी है और हमारी ही रहेगी या तो इस नदी का पानी बहेगा या फिर उनका खून जो हमारी नदी को हमसे छीनना चाहते हैं। बिलावल भुट्टो ने कहा कि पाकिस्तान और भारत के बीच समझौता हुआ था। इस समझौता में भारत कह चुका है कि सिंधु नदी पाकिस्तान की है। पीएम मोदी कहते हैं कि इस समझौता को हम नहीं मानते हैं। ऐसा नहीं हो सकता। यह बात कोई नहीं मानेगा। पाकिस्तान की जनता नहीं मानेगी और नहीं भारत की जनता हमारे ऊपर होता ही अत्याचार नहीं बर्दाशत करेगी। पैक नेता ने कहा कि भारत के ऊपर आतंकी हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान पर ठोकना गलत है। भुट्टो ने कहा कि कश्मीर में आतंकी हमला हुआ है।

रेलवे के चीफ इंजीनियर को सीबीआई ने 32 लाख रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार किया

रांची। सीबीआई ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के चीफ इंजीनियर विशाल आनंद को उनके एक परिवारिक सदस्य सहित रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। अफसर के रिश्तेदार ने एक प्राइवेट कंपनी से 32 लाख रुपए की रिश्वत ली थी, जिसके तुरंत बाद दबोच लिया गया। सीबीआई ने इस मामले में चार लोगों को आरोपी बनाया है। मामले में विशाल आनंद के भाई कुणाल आनंद, रिश्वत देने

वाले ठेकेदार सुशील झाझरिया, और उसके कर्मचारी मनोज पाठक को भी हिरासत में लिया गया है। इसके अलावा कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ भी केस दर्ज किया गया है। जांच एजेंसी के अनुसार आरोपी रेलवे अफसर ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में हो रहे ठेकों और वर्क आर्डर्स को पास करवाने के एवज में प्राइवेट कंपनी से मोटी रकम की मांग की थी। आरोप है कि अफसर ने रिश्वत की रकम खुद न लेकर अपने परिवारिक सदस्य को रांची में पैसे लेने भेजा था। सीबीआई की जांच में सामने आया है कि अफसर ने अपने परिवार वाले को पहले ही सूचित कर दिया था कि एक व्यक्ति पैसे लेकर रांची आएगा। उसी के अनुसार, गुरुवार को जैसे ही कंपनी के कर्मचारी ने 32 लाख रुपए की नकद राशि अफसर के रिश्तेदार को सौंपी, सीबीआई की टीम ने ट्रैप लगाकर सभी को रंगेहाथ पकड़ लिया।

आतंकी हमले के विरोध में एमपी के कई जिले बंद

भोपाल। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का विरोध मध्यप्रदेश में जारी है। शनिवार को विरोध में भोपाल और इंदौर में आधे दिन के लिए बंद रखा गया है। रायसेन, रतलाम और छतरपुर में भी व्यापारियों ने बंद का समर्थन किया है।

बंद से इमरजेंसी मेडिकल सेवा को बाहर रखा गया है। 3 हजार मेडिकल स्टोर्स और थोक दवा दुकानें खुली हैं। दूध की सप्लाई भी प्रभावित नहीं होगी। वहीं, चाय-नाश्ता भी मिल रहा है।

रायसेन में हिंदू संगठनों ने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा- रायसेन में बंद के दौरान दोपहर को व्यापारियों और हिंदू संगठनों ने नारेबाजी करते हुए एसडीएम मुकेश सिंह को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा।

रतलाम में आतंकवाद का पुतला फूंका- रतलाम के सैलाना में हिन्दू संगठनों ने आतंकवाद का पुतला फूंका। सैलाना एसडीएम मनीष कुमार जैन को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंप आतंकवादियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

छतरपुर में मौन रखकर दी श्रद्धांजलि - छतरपुर के चौक बाजार में

व्यापारी संघ ने सभी रखी। मौन धारण कर आतंकी हमले में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद व्यापारियों ने राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

बड़वानी में व्यापारियों ने बंद रखे प्रतिष्ठान- बड़वानी के वरला बलवाड़ी में सर्व धर्म समाज ने नगर बंद का आव्हान किया। व्यापारियों ने बंद को समर्थन देते हुए अपने प्रतिष्ठान बंद रखे।

अशोकनगर में जलाया आतंकवाद का पुतला- अशोकनगर जिले के शाढ़ौरा में लोगों ने आतंकवाद का पुतला दहन किया। पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए प्रदर्शन किया।

एलओसी पर रातभर गोलीबारी, पाकिस्तान ने किया सीजफायर का उल्लंघन, भारत ने दिया मुंहतोड़ जवाब

जम्मू। कश्मीर घाटी में आतंकवाद को बढ़ावा देने और उकसावे की कार्रवाई से बाज न आते हुए पाकिस्तान ने एक बार फिर नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर संघर्ष विराम का उल्लंघन किया है। 25-26 अप्रैल की मध्य रात्रि पाकिस्तान की कई सैन्य चौकियों ने बिना किसी उकसावे के

गोलीबारी शुरू की, जिसका भारतीय सेना ने करारा जवाब दिया। श्रीनगर स्थित रक्षा विभाग के अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी और बताया कि इस जवाबी कार्रवाई में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। यह घटना ऐसे समय पर हुई है जब भारतीय सुरक्षा बल पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद घाटी में लगातार आतंकवादियों के खिलाफ ऑपरेशन चला रहे हैं।

लंदन में पहलगाम हमले का विरोध कर रहे हिंदुस्तानी को पाक अधिकारी ने दी सिर कलम करने की धमकी

लंदन। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से ही पूरा देश आक्रोशित है, पाकिस्तान के खिलाफ कड़े एक्शन की मांग कर रहा है। इस एक हमले का असर ऐसा है कि अब दुनिया के अलग-अलग कोने में विरोध प्रदर्शन शुरू हो चुके हैं। इस कड़ी में लंदन में भी हिंदुस्तानियों ने पाकिस्तानी दूतावास के बाहर एक शांतिपूर्ण

प्रदर्शन किया जा रहा था, लेकिन वहां से जो वीडियो सामने आए उन्होंने लोगों के गुस्से को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। असल में वायरल वीडियो में देखा जा रहा है कि हिंदुस्तानी तो सिर्फ पहलगाम हमले का विरोध कर रहे हैं, लेकिन एक पाक अधिकारी कैमरे के सामने सिर कलम करने की धमकी दे रहा है, वो ऐसे इशारे कर रहा है जिससे उसकी हरकत साफ समझी जा सकती है।

गुजरात में 500 बांग्लादेशी हिरासत में

हरियाणा में 460 पाकिस्तानियों को निकालने का आदेश, अटारी बॉर्डर से भेजे जा रहे

अहमदाबाद/सूरत। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद देशभर में विदेशी नागरिकों के खिलाफ एक्शन शुरू हो गया है। गुजरात के अहमदाबाद और सूरत में पुलिस ने शनिवार को करीब 557 बांग्लादेशियों को

हिरासत में लिया। वैध दस्तावेज नहीं मिलने पर उन्हें भारत से निकाला जाएगा।

हरियाणा में राज्य सरकार ने 460 पाकिस्तानियों को निकालने का आदेश जारी किया है। अभी इन्हें हिरासत में लेने की कोई सूचना नहीं है। ष्टरू नायब सैनी ने पाकिस्तानियों को वापस भेजने के लिए गृह विभाग से प्लानिंग मांगी है। पंजाब के अटारी बॉर्डर पर पाकिस्तानी नागरिकों के भारत से जाने का सिलसिला जारी है। 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार ने सभी पाकिस्तानी नागरिकों को 1 मई तक भारत छोड़ने के लिए कहा है।

पटाखा फैक्टरी में ब्लास्ट, 3 की मौत, 150 मीटर दूर गिरे चीथड़े

सहारनपुर। यूपी के सहारनपुर के देवबंद में शनिवार सुबह एक पटाखा फैक्टरी में विस्फोट हो गया। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है। मौतों का आंकड़ा बढ़ सकता है, क्योंकि घटना के वक्त फैक्टरी के अंदर 10 से ज्यादा लोग मौजूद थे। विस्फोट इतना जोरदार था कि पूरी बिल्डिंग ढह गई। शवों के चीथड़े 100 से 150 मीटर दूर तक जा गिरे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि धमाके की आवाज 2 किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। विस्फोट के समय ऐसा लगा जैसे भूकंप आ गया हो। हादसे की सूचना मिलते ही कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंच गई। इलाके को

सील कर दिया गया है। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। पुलिस ने 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। हादसे से गुस्साए परिजनों ने हाईवे जाम कर दिया। सड़क पर बैठकर प्रदर्शन किया। उनका आरोप है कि अवैध फैक्टरी चलाई जा रही थी। फैक्टरी निहालखेड़ी गांव में है। यह जिला मुख्यालय से 50 किलोमीटर और देवबंद तहसील से करीब 8 किलोमीटर दूर है। डीएम मनीष बंसल ने बताया-सुबह साढ़े 6 बजे की घटना है। यहां पर एक लाइसेंसी पटाखों की फैक्टरी चल रही थी। वहां अचानक से ब्लॉस्ट हो गया।सूचना पर फारेंसिक टीम और पुलिस पहुंची। फैक्टरी के संचालक समेत 3 लोगों को हिरासत में लिया है। घटना को लेकर गांव वालों में आक्रोश हैं। हम उनको समझा रहे हैं।

म0 प्र0 शासन की महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री कन्या विवाह / निकाह योजनान्तर्गत दिनांक 27.04.2025 दिन रविवार को कन्हान व्हेली स्कूल ग्राउण्ड, ग्राम पंचायत खापाखामी, जनपद पंचायत जुन्नारदेव, जिला छिन्दवाड़ा में आयोजित सामूहिक विवाह में पधार रहें अतिथिगण / जनप्रतिनिधिगण / नगरीय, ग्रामीण जनों का हार्दिक...

अभिनंदन वंदन स्वागत

निवेदक

श्रीमती सबिता बोसम, जनपद पंचायत अध्यक्ष जुन्नारदेव
गोवर्धन यदुवंशी, उपाध्यक्ष जनपद पंचायत जुन्नारदेव
रमेश सालोडे, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद जुन्नारदेव
श्रीमती सोनिया कुमरे, उपाध्यक्ष नगर पालिका परिषद जुन्नारदेव
श्रीमती किरण खातरकर, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद दमुआ
बबूआ कश्यप, उपाध्यक्ष नगर पालिका परिषद दमुआ

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत जुन्नारदेव, जिला छिंदवाड़ा (मप्र)

भारतीय योग संस्थान द्वारा मिनाल रेजीडेंसी एम.पी.ई.बी ग्राउड में शुक्रवार सुबह 5.30 से 9.30 तक योग शिविर का आयोजन किया गया। इसमें बताया गया कि जीवन में बढ़ती हुई निष्क्रियता, गरिष्ठ भोजन तथा योगाभ्यास न करने के कारण व विटामिन डी की कमी के कारण, हड्डियां कमजोर व सख्त होने लगती है ,जिससे हड्डियों के जोड़ विकृत होने लगते है। आज समाज में गर्दन, कन्धे व घुटने का दर्द, गठिया रोग, तथा ऑस्टियोपोरोसिस आदि रोग बहुत तेजी से बढ़ रहे है। आहार व दिनचर्या में सुधार लाकर तथा योगाभ्यास द्वारा इन रोगों को काफी सीमा तक नियंत्रित किया जा सकता है। इस संदर्भ में भारतीय योग संस्थान के अखिल भारतीय प्रधान देशराज का भोपाल आगमन हो रहा है। सामूहिक योग साधना का कार्यक्रम में आज सुबह 5.30 से 9.30 तक आयोजित शिविर में देशराज की हड्डी रोग एवं योग पर एक विशेष वार्ता का आयोजन किया गया है।

जनजागरूकता गतिविधियों के साथ मनाया मलेरिया दिवस

मलेरिया उन्मूलन के प्रयासों से भोपाल जिले में मलेरिया विदाई की ओर

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

25 अप्रैल को विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर जिले में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्कूली विद्यार्थियों को मलेरिया के लक्षणों, मलेरिया से बचाव के उपाय ,जांच एवं उपचार के साथ-साथ मलेरिया उन्मूलन के लिए शासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी गई । स्वास्थ्य संस्थाओं, स्कूलों एवं आंगनबाड़ियों में पोस्टर एवं ड्राइंग प्रतियोगिता, जागरूकता रैली मलेरिया प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य संस्थाओं में मलेरिया उपचार नीति के संबंध में उन्मुखीकरण किया गया।

मलेरिया उन्मूलन के प्रयासों के फलस्वरुप भोपाल जिले में स्थिति काफी बेहतर है। विगत वर्ष मलेरिया के कुल 326369 टेस्ट किए गए थे, जिनमें से 12 मलेरिया पॉजिटिव मरीज मिले थे। इस साल 43381 लोगों की मलेरिया जांच की जा चुकी है, जिनमें से कोई भी मलेरिया पॉजिटिव मरीज नहीं मिला है। मच्छर जनित बीमारियों में मलेरिया सबसे प्रचलित बीमारी है । यह बीमारी मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने से होती है। ठंड लगकर बुखार आना मलेरिया का सबसे प्रमुख लक्षण है । मलेरिया की जांच एवं दवाइयां सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में निशुल्क उपलब्ध है । आशा कार्यकर्ता से संपर्क करके भी जांच करवाई जा सकती है ।

मलेरिया दिवस के अवसर परमलेरिया कार्यालय एवं गोदरेज द्वारा संचालित एंबेड परियोजना भोपाल द्वारा समुदाय बैठक एवं मलेरिया जागरूकता हेतु शपथ कार्यक्रम किए गए। ब्लॉक स्तर पर आशा द्वारा नारे लेखन एवं जागरुकता हेतु ग्राम स्तर पर मलेरिया उन्मूलन हेतु लोगो को समझाया दी गई। विद्यालयों में बच्चों को ड्राइंग एवं पेंटिंग के माध्यम से मलेरिया से बचाव हेतु संदेश दिया। इस दौरान लगभग 700 बच्चों ने सहभागिता की। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर आशा कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया गया। प्रभावित क्षेत्रों में गंबूशिया मछली का संचयन किया। प्रदेश में मलेरिया फैलाने वाले दो परजीवी प्लाज्मोडियम फेल्सीफेरम एवं प्लाज्मोडियम वाईवेक्स है। एनाफिलीज मच्छर रुके हुए साफ पानी में पनपता है , जैसे कि धान का खेत तालाब, गड्ढे ,कृत्रिम जलाशय, छत पर बनी हुई टंकी, जल एकत्रित करने के लिए जमीन के अंदर बनी टंकी ,अनुपयोगी कुंए, जलधारा के किनारे से एकत्र जल, नदियां, हैंड पंप, नल के आसपास जमा पानी, नहर में रुके हुए पानी इत्यादि। मलेरिया का खतरा 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों और गर्भवती महिलाओं को ज्यादा रहता है। तेज ठंड देकर बुखार, कंपकपी, सिर दर्द ,बदन दर्द, उल्टी होना मलेरिया को प्रमुख लक्षण है । गंभीर अवस्था में यह खून की कमी का कारण भी हो सकता है । यदि इसका शीघ्र एवं पर्याप्त उपचार नहीं लिया जाए तो मलेरिया से रोगी की मृत्यु भी हो सकती है । गर्भावस्था में मलेरिया गंभीर हो सकता है और जच्चा और बच्चा भी जान को भी खतरा हो सकता है। मलेरिया होने पर आरडीटी किट किट से जांच करवाकर मलेरिया उपचार नीति के अनुसार पूरा उपचार लेना आवश्यक होता है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ प्रभाकर तिवारी ने बताया कि मलेरिया नियंत्रण हेतु शीघ्र जांच एवं पूर्ण उपचार , घर-घर भ्रमण कर बुखार रोगियों की मलेरिया जांच हेतु सर्विलेंस, कीटनाशक युक्त मच्छरदानी का वितरण, कीटनाशक छिड़काव , लार्वा नियंत्रण हेतु गतिविधियां, प्रशिक्षण एवं सपोर्टिव सुपरविजन किया जा रहा है।मच्छर के प्रजनन पर रोक लगाने के लिए आवश्यक सावधानियां जैसे घर के आसपास अनावश्यक जल भराव को रोकने, पानी को हमेशा ढक कर रखने, व पानी के बर्तनों मटका, टंकी, कूलर आदि की हर चौथे दिन पानी बदल कर सफाई करने आदि को अपनाने के लिये आमजनों को प्रेरित किया जा रहा है।

निजी कॉलेज में छात्राओं के साथ सामूहिक दुष्कर्म अभाविप ने पुलिस कमिश्नर को सौंपा ज्ञापन

दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग

भोपाल। रायसेन रोड स्थित एक निजी कॉलेज में मुस्लिम छात्रों के गिरोह द्वारा हिंदू छात्राओं को प्रेमजाल में फंसाकर दुष्कर्म करने और ब्लैकमेल करने की शर्मनाक घटना के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, भोपाल महानगर द्वारा आज पुलिस कमिश्नर को ज्ञापन सौंपा गया। अभाविप ने इस जघन्य अपराध की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। परिषद ने आरोपियों पर फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से शीघ्र सजा, कॉलेज प्रशासन की भूमिका की जांच, और छात्राओं की सुरक्षा हेतु सभी कॉलेजों में एंटी-हरासमेंट सेल बनाने की माँग उठाई।भोपाल महानगर के मंत्री शिवम जाट ने कहा यह घटना केवल एक कॉलेज तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज को झकझोर देने वाली है। यह अजमेर कांड की पुनरावृत्ति है। दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए ताकि प्रदेश की बेटियाँ स्वयं को सुरक्षित महसूस कर सकें। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने दोषियों पर BNS, POCSO एवं IT एक्ट की धाराओं के अंतर्गत फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से शीघ्र सजा दिलाई जाए। इस कांड में संलिप्त किसी भी कॉलेज प्रशासनिक अधिकारी की भूमिका की निष्पक्ष जांच की जाए। . प्रदेश भर के शैक्षणिक संस्थानों में छात्राओं की सुरक्षा हेतु प्रभावी तंत्र, हेल्पलाइन, एंटी-रैगिंग एवं एंटी-हरासमेंट सेल सक्रिय किए जाएं।

पर्यटकों पर हमले के विरोध में निकाला कैंडल मार्च

भोपाल। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा पर्यटकों पर किए गए कायराना हमले के विरोध में भारतीय जनता पाटी नगर द्वारा आयोजित कैंडल मार्च में प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हीतानंद शास्त्री, रामेश्वर शर्मा, भगवान दास सबनानी और समस्त पार्टी कार्यकर्ताओं ने कैंडल मार्च निकाला साथ ही आतंकी हमले पर रोष व्यक्त किया । सभी वरिष्ठ जनों के साथ मिलकर भारतीय जनता पार्टी दक्षिण पश्चिम विधानसभा गोविंद कहारे ने कड़ी निंदा की और कहा कि देश के प्रधानमंत्री ने जिस प्रकार देश के हित में आतंकवादीयो का खत्म करने के लिए निर्णय लिया है हम सभी भारतवासी इस निर्णय का स्वागत करते हैं। हम भारतवासी शहीद हुए उन सभी दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करते हैं।

आक्रोश मसाल जुलूस निकाला

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, भोपाल जिला प्रभारी बालिस्ता रावत के नेतृत्व में आक्रोश मसाल जुलूस निकालकर पहलगाम हमले के मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई। बालिस्ता रावत ने कहा कि यह हमला 26 हिंदुओं के साथ भारत की आत्मा पर हमला है, देश के आम नागरिकों में भरी आक्रोश है, देश के नागरिकों ने ठान लिया है कि पाकिस्तान और आतंकवादीयों को सबक सिखाना है। रावत ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी भोपाल जिलाध्यक्ष रविन्द्र यति के नेतृत्व में तथा प्रदेशाध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानन्द शर्मा, मध्यप्रदेश शासन केबिनेट मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, प्रदेश महामंत्री तथा विधायक भगवान दास सबनानी, हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा के उपस्थिति में यह आक्रोश रैली निकाली गई।

विश्व हिंदू परिषद ने जलाया पुतला

भोपाल। विश्व हिंदू परिषद के आह्वान पर बोर्ड ऑफिस चौराहे पर आतंकवादियों का पुतला दहन किया गया। सबसे पहले मिलन स्वीट्स पर गए वहां वहां से हम सब मिलकर संजय जैन, अमित जैन, सुमित गोठी, मनीष भाटी, आलोक शर्मा ,मनीष गद्रे, नितेश पांडे और चंद्रभान मोतियानी, राजकुमार सकलेचा डीबी मॉल के नीचे जहां पर सब लोग इकट्ठे थे वहां पहुंचे वहां से सब लोग मिलकर चलकर बोर्ड ऑफिस चौराहे पर आए और वहां पर पुतला दहन किया गया। पीछे स्टेज पर मंच संचालन विशिष्ट विश्व हिंदू परिषद के प्रांतीय मंत्री श्री राजेश जैन कर रहे थे।

संत निरंकारी सत्संग भवन में 254 रक्तदाताओं ने किया रक्तदान

संत हिरदाराम नगर। सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज के आशीर्वाद से संत निरंकारी चेरीटेबल फाउण्डेशन के तहत जोनल इंचार्ज महात्मा अशोक जुनेजा के मार्गदर्शन में सुबह 10 बजे से 4 बजे तक विशाल रक्तदान शिविर डी मार्ट, जहांगीराबाद भोपाल स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन में शासकीय हमीदिया ब्लड बैंक के सहयोग से सम्पन्न हुआ। रक्तदान शिविर में 254 रक्तदाताओं ने रक्तदान करके पीड़ित मानवता की सेवा की। सुबह से ही रक्तदाताओं की लम्बी-लम्बी कतारें लगी हुई थी। रक्तदान शिविर प्रारंभ होने से पूर्व मानव एकता दिवस पर सत्संग भवन भोपाल में बैरागढ़ ब्रांच के संयोजक महात्मा महेश वीधानी की उपस्थिति में सत्संग संपन्न हुआ। प्रेम और भाईचारे की भावना को उजागर करता 'मानव एकता दिवस', निरंकारी मिशन द्वारा प्रति वर्ष बाबा गुरबचन सिंह की पावन स्मृति में श्रद्धा और आध्यात्मिक भावनाओं से परिपूर्ण वातावरण में आयोजित किया जाता है। यह दिन केवल पुण्य स्मरण का अवसर नहीं, अपितु मानवता, सौहार्द और एकत्व की भावनाओं का एक आत्मिक संगम है।

सिन्धी समाज ने दी पहलगाम हमले के शहीदों को श्रद्धांजलि, जलाए 28 दीप

भोपाल। कश्मीर के पहलगाम में हुए भयावह आतंकी हमले ने पूरे देश को गहरे शोक में डुबो दिया है। इसी घटना में जान गंवाने वाले निर्दोष पर्यटकों को श्रद्धांजलि देने के लिए आज भोपाल की शीतल दास की बगिया में झूलेलाल की फौज और समस्त सिन्धी समाज की ओर से एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। श्रद्धांजलि की शुरुआत दो मिनट के मौन से हुई, जिसमें उपस्थित सभी लोगों ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। इसके बाद 28 दीपों का दान किया गया—जो न केवल मृतकों के प्रति श्रद्धा का प्रतीक था, बल्कि देश की एकता और अखंडता के लिए भी आशा की रोशनी बनकर जले। इस मौके पर भाजपा प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश केसवानी ने कहा, यह केवल एक हमला नहीं था यह हमारे विश्वास, हमारी एकता, हमारी आज़ादी और मानवता पर हमला था। लेकिन आतंक की इस कायरता से हम टूटेंगे नहीं। हमारे देश की मिट्टी हर शहीद की कुर्बानी को सीने से लगाकर गर्व से कहती है हम झुकेंगे नहीं, हम रुकेंगे नहीं। आज यहां शीतल दास की बगिया

में झूलेलाल की फौज और सम्पूर्ण सिन्धी समाज ने मिलकर उन वीर आत्माओं को श्रद्धा सुमन अर्पित किए हैं। 28 दीप जलाकर हम उन 28 बलिदानों की रूह के लिए प्रकाश का संदेश भेज रहे हैं। हमने दो मिनट का मौन रखकर न केवल उन्हें श्रद्धांजलि दी है, बल्कि यह भी संकल्प लिया है कि हम आतंक के खिलाफ एकजुट रहेंगे। उन्होंने कहा, आतंक का जवाब एकता से दिया जाएगा। हम इस पीड़ा के समय में अपने भाई-बहनों के साथ हैं। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने कहा हैं की इस हमले में शामिल आतंकियों और उनके साहियोगियों को बक्शा नहीं जाएगा, ये नया भारत है, यहां आतंक के खिलाफ चुप्पी नहीं, करारा जवाब दिया जाएगा।

कार्यक्रम में रवि महाराज, अधिवक्ता सुनील जैन,राकेश महाराज, पवन होतवानी, मनीष होलारामानी, विवेक पांडे, किरण शर्मा,दिलीप बच्चानी, इंदर तलरेजा, अमित वर्मा, अमित गुप्ता, सुरेश शुक्ला, देवेंद्र यादव, हर्ष इंगोले, शंकर कामदार और टेकचंद उमरवानी सहित बड़ी संख्या में सिन्धी समाज की माताओं और बहने उपस्थित थी। सभा का समापन भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारों के साथ हुआ, जिससे पूरा वातावरण राष्ट्रभक्ति की भावना से गूंज उठा।

विश्व बौद्धिक संपदा दिवसः बौद्धिक संपदा के अधिकार मनुष्य को आत्म-विकास के अवसर प्रदान करते हैंः योग गुरु महेश अग्रवाल

भोपाल। आदर्श योग आध्यात्मिक केन्द्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि हर वर्ष 26 अप्रैल को विश्व बौद्धिक संपदा दिवस मनाया जाता है । इसका उद्देश्य बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व और उनके संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना है । बौद्धिक संपदा के अधिकार लोगों को नए और नवाचारी विचारों को विकसित करने के लिए प्रेरित करते हैं । रचनात्मकता को बढ़ावा देते हैं, जिससे मनुष्य अपने विचारों को नए और अनोखे तरीकों से व्यक्त कर सकता है । मनुष्य को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करते हैं, जिससे वह अपने कार्यों से आर्थिक लाभ उठा सकता है । लोगों को व्यवसायिक अवसर प्रदान करते हैं, जिससे वह अपने विचारों को व्यावसायिक रूप से विकसित कर सकता है । लोगों को आत्म-विकास के अवसर प्रदान करते हैं, जिससे वह अपने कौशल और ज्ञान को बढ़ा सकता है । मनुष्य को मान्यता और प्रतिष्ठा प्रदान करते हैं, जिससे उसका आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान बढ़ता है बौद्धिक संपदा के अधिकार मनुष्य को सामाजिक योगदान करने के अवसर प्रदान करते हैं, जिससे वह समाज के लिए कुछ अच्छा कर सकता है । बौद्धिक संपदा के अधिकार सांस्कृतिक विकास को बढ़ावा देते हैं, जिससे मनुष्य अपनी संस्कृति को संरक्षित और प्रचारित कर सकता है । इस प्रकार, बौद्धिक संपदा से मनुष्य को रचनात्मकता, आर्थिक लाभ, व्यक्तिगत विकास और सामाजिक लाभ हो सकते हैं।योग गुरु अग्रवाल ने बताया कि बौद्धिक संपदा में योग अभ्यास से कई लाभ हो सकते हैं। योग अभ्यास मन की शांति और स्थिरता को बढ़ावा देता है, जिससे रचनात्मकता में वृद्धि होती है । योग अभ्यास नए विचारों के विकास में मदद करता है, जिससे बौद्धिक संपदा में नवाचार और रचनात्मकता बढ़ती है । योग अभ्यास तनाव और चिंता को कम करता है, जिससे मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है । योग अभ्यास आत्म-विश्वास और आत्म-सम्मान को बढ़ावा देता है, जिससे बौद्धिक संपदा में सफलता की संभावना बढ़ती है । योग अभ्यास शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार करता है, जिससे बौद्धिक संपदा में काम करने की क्षमता बढ़ती है । योग अभ्यास ऊर्जा और उत्पादकता को बढ़ावा देता है, जिससे बौद्धिक संपदा में काम करने की गति और गुणवत्ता बढ़ती है । योग अभ्यास बेहतर निर्णय क्षमता को बढ़ावा देता है, जिससे बौद्धिक संपदा में सही निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है । योग अभ्यास बेहतर समय प्रबंधन को बढ़ावा देता है।

त्वरित टिप्पणी - सांध्यप्रकाश

जी. के. छिब्बर

स्वाधीनता सेनानियों पर सवाल उठाने वालों पर सुप्रीम कोर्ट की फटकार

अब तो सुधर जाए

सर्वोच्च न्यायालय की पीठ न्यायामूर्ति दीपांकर दत्ता एवम् न्यायामूर्ति मन मोहन ने राहुल गांधी द्वारा महान क्रांतिकारी वीर सावरकर पर असंगत टिप्पणी पर अपराधिक न्यायालय में दर्ज प्रकरण को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान गम्भीर फटकार लगाते हुवे राहत तो दी परंतु सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि की इस बार सावरकर अगली बार कोई कहेगा महात्मा गांधी अंग्रेजो के नौकर थे क्योंकि वह अपने पत्रों में अंग्रेज सरकार को योर फैथफुल सर्वेंट लिखा करते थे पीठ ने अवांछित टिप्पणी पर चेतावनी देकर कहा कि इस तरह की बयानबाज़ी अब अगर हुई तो हम स्वयं संज्ञान लेंगे हम स्वतंत्रता सेनानियों पर टिप्पणी की अनुमति नहीं देंगे। सर्वोच्च न्यायलय की इस फटकार से यह संदेश गया हैं कि स्वतंत्रता सेनानियों पर अब शर्मनाक राजनीति नही होंगी वीर सावरकर का सम्मान स्वर्गीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी किया था उनके सम्मान में डाक टिकट भी जारी किया गया था इसके बावजूद राहुल गांधी द्वारा लगातार वीर सावरकर पर अपमानजनक टिप्पणी करना शर्मनाक ही कहा जायेगा।यह उल्लेखनीय हैं कि महान वीर सावरकर को दो जन्मों की सजा दी गई थे और जो अमानवीय यातनाएं देते अंडमान जेल में सही वह किसी भी क्रांतिकारी ने नहीं झेली कांग्रेस के तो किसी नेता को ऐसी सजा मिली ओर न ही अण्डमान जैल की हवा खाई हो कोई भी कांग्रेसी क्रांतिकारी ऐसा था ही नहीं जिसे आजन्म कारावास और मृत्युदंड मिला हो परन्तु महान क्रांतिकारी सावरकर पर सवाल राहुल गांधी उठाते जा रहे थे जिस पर वह सुप्रीम कोर्ट आकर स्वयं ही उलझ गए है । देश की राजनीति इतना दूषित होती जा रही थी कि सर्वोच्च न्यायालय को टिप्पणी करना पड़ी । यह भी चिंतन का विषय है कि कांग्रेस महात्मा गांधी के हत्यारे पर सवाल करती हैं परंतु भारतरत्न इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के हत्यारों पर चुप्पी साधे रखती है इस वोट बैंक की दूषित राजनीति ने हमारे देश की स्वतंत्रता के प्रारंभ से ही गलत दिशा दी हैं लेकिन अब देश बदल रहा है अब स्वाधीनता आंदोलन ओर नेहरू गांधी के नाम की राजनीति निरर्थक हो गई है यह राजनैतिक दलों को समझना होगा। माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने राहुल गाँधी को राहत तो दी हैं परंतु संदेश भी दे दिया हैं कि स्वतंत्रता सेनानियों पर शर्मनाक टिप्पणी की राजनीति नहीं चलेगी और यदि कोई असंगत टिक्का टिपण्णी करेगी तो सर्वोच्च न्यायालय स्वयं संज्ञान लेगा संभावना है की अब निरर्थक टिका टिप्पणी करने वाले सुधारेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मौजूदगी में भोपाल मिलिट्री स्टेशन पर दो महत्वपूर्ण कार्यक्रम हुए

भव्य लाइट एंड साउंड शो का हुआ आयोजन , निरामया वेलनेस सेंटर का भी शुभारंभ

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में भोपाल मिलिट्री स्टेशन पर दो महत्वपूर्ण कायक्रम आयोजित किए गए। मुख्यमंत्री ने भोपाल युद्ध संग्रहालय योद्धास्थल और प्रेरणा स्थल में शानदार लाइट एंड साउंड शो में भाग लिया और आयुष चिकित्सा पद्धति के तहत एक समग्र स्वास्थ्य पहल, अत्याधुनिक 'निरामया' वेलनेस सेंटर का भी उद्घाटन किया। लाइट एंड साउंड शो ने अपनी आकर्षक दृश्य कथा से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, मध्य प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाया और भारत के सर्वोच्च वीरता पुरस्कार परमवीर चक्र से सम्मानित सुदर्शन चक्र कोर के युद्ध नायकों की अदम्य भावना और बहादुरी के कार्यों को याद किया। यह शो, केवल एक सिनेमाई तमाशा नहीं था, बल्कि भारतीय सशस्त्र बलों के साहस और बलिदान के लिए एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि के रूप में कार्य किया, जिसने राष्ट्रीय गौरव को मजबूत किया और उपस्थित लोगों के बीच देशभक्ति को प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान, डॉ. मोहन यादव ने सैन्य-नागरिक संलयन को बढ़ावा देने और राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा देने में उनकी भूमिका के लिए सशस्त्र बलों की सराहना की। उन्होंने सभा को संबोधित किया और गंभीरता से कहा कि पहलगाम हमले का बदला लिया जाएगा, जिससे न्याय और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति सरकार की अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि होती है। सुदर्शन चक्र कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल प्रीत पाल सिंह, एवीएसएम ने इस पहल को हमारे शहीद नायकों की कहानियों को संरक्षित करने और युवा पीढ़ी में राष्ट्रवाद की भावना पैदा करने के सार्थक प्रयास के रूप में रेखांकित किया। इस दिन के महत्व को और बढ़ाते हुए, माननीय मुख्यमंत्री ने समग्र स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती के लिए समर्पित एक वेलनेस सेंटर 'निरामया' का भी उद्घाटन किया। आयुष मंत्रालय के सहयोग से सुदर्शन चक्र कोर द्वारा विकसित इस केंद्र का उद्देश्य आयुर्वेद, होम्योपैथी और प्राकृतिक चिकित्सा के तहत व्यापक उपचार सेवाएं प्रदान करना है, जिसमें पंचकर्म, शिरोधारा, हाइड्रोथेरेपी जैसी चिकित्सा शामिल हैं। 'निरामया' को सेवारत और सेवानिवृत्त रक्षा कर्मियों, उनके आश्रितों और नागरिकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो एक संतुलित और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देता है। डॉ. मोहन यादव ने पहल की सराहना की और नागरिकों के समग्र कल्याण में योगदान करते हुए केंद्र के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए मध्य प्रदेश सरकार की ओर से पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया।

डीजीपी का आदेश, सांसदों-विधायकों को सैल्यूट करेंगे पुलिस अफसर

मिलते वक्त देनी होगी प्राथमिकता

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश के पुलिस अफसरों के लिए नया फरमान जारी हुआ है। जिसमें उन्हें अब सांसद-विधायकों को भी सैल्यूट करना होगा। इसके निर्देश डीजीपी कैलाश मकवाना की ओर से दिए गए हैं। जिसमें स्पष्ट किया गया है कि जनप्रतिनिधि के साथ शिष्ट व्यवहार में कमी नहीं होनी चाहिए। दरअसल, यह निर्देश 24 अप्रैल को डीजीपी कैलाश मकवाना के द्वारा दिए गए हैं। जिसमें स्पष्ट कहा गया है कि अगर सांसद और विधायनक मिलने आए तो पुलिस अफसरों को उन्हें प्राथमिकता देनी होगी। सभी पुलिस अफसर-अधिकारियों को सांसद, विधायकों को सरकारी कार्यक्रम या सामान्य मुलाकात के दौरान उनका अभिवादन करना होगा।

सांसद-विधायक को सम्मानपूर्वक देना होगा जवाब: डीजीपी ने निर्देश देते हुए यह भी कहा है कि सांसदों और विधायकों के द्वारा पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों से मोबाइल पर जन समस्या को लेकर संपर्क किया जाता है तो अधिकारी कर्मचारी की पूर्ण रूप से जिम्मेदारी होगी कि वह संवाद के दौरान उनकी बात ध्यानपूर्वक सुनें और सम्मानजनक व्यवहार करें।

नवंबर 2024 में लगी थी रोक: 29 नवंबर 2024 को आदेश जारी हुए थे कि मुख्यमंत्री, मंत्रीगण एवं पुलिस अधिकारियों को दी जाने वाली सलामी समाप्त की गई है। केवल राज्यपाल महोदय ही सलामी ले सकेंगे। किंतु देखने में आ रहा है कि उक्त पत्र का कड़ाई से पालन नहीं हो रहा है। जिससे परेड में लगे कर्मचारियों की ड्यूटियां प्रभावित होती है। शासन के निर्णय का उल्लंघन किया जाता है। साथ ही यह प्रथा अंग्रेजों की याद दिलाती है। बता दें कि, सलामी परेड सिर्फ राज्यपाल को ही दी जाएगी।

मेडिकल ऑफिसर एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों की भर्ती प्रक्रिया को तीव्र गति से पूर्ण करें: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए मेडिकल ऑफिसर एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग इन पदों की चयन प्रक्रिया शीघ्रतापूर्वक आयोजित करे, जिससे राज्य के अस्पतालों में चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़े और मरीजों को समय पर समुचित इलाज मिल सके। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग इंदौर कार्यालय में मेडिकल ऑफिसर एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों की भर्ती प्रक्रिया की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि विशेषज्ञ चिकित्सकों की समय पर नियुक्ति से स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूती मिलेगी और मातृ मृत्यु दर एवं शिशु मृत्यु दर में भी उल्लेखनीय सुधार होगा। बैठक में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसी सिलावट, म.प्र. लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष श्री राजेश लाल मैहरा, आयोग के सदस्य प्रो. कृष्णकांत शर्मा, सचिव श्री प्रबल सिपाहा, विशेष कर्तव्य अधिकारी आर. पंचवई अधिष्ठाता एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी एमजीएम इंदौर डॉ. अरविंद घनघोरिया सहित चिकित्सा शिक्षा विभाग एवं महात्मा गांधी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय इंदौर के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

पहलगाम हमले के विरोध में लालघाटी पर भी हुआ अनूठा विरोध प्रदर्शन

भोपाल। विगत दिवस कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तानी आतंकियों द्वारा 28 भारतीय पर्यटकों की बेरहमी से हत्या कर दी गयी जिसके विरोध में जहाँ एक ओर पूरा देश आक्रोश से भरा हुआ है, वहीं इसी तारतम्य में लालघाटी यंग क्लब के सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन कर यह दिखाया कि इस विपदा की घड़ी में पूरा भारतवर्ष एक साथ खड़ा है। प्रदर्शन में प्रतीकात्मक भारत ने पाकिस्तान को मात दी। आनंद सबधाणी ने कहा कि आतंकियों के आकाओं को हम यहाँ से पैग़ाम देना चाहते हैं, कि ज़रूरत पड़ी तो देश का एक-एक युवा हाथों में हथियार लेकर पाकिस्तान की ओर कूच करने में देरी नहीं करेगा आज भी देश के सपूतों में पाकिस्तान को नेस्टोनाबूत करने का माद्दा है। जो इज़राइल ने हमास के साथ किया था अब वो हमे भी करना ही होगा।

मेजर जनरल श्याम सुंदर श्रीवास्तव हमारी तीनों सेनाएँ हर क्षेत्र में पाकिस्तान को धूल चटा सकती हैं।सबधाणी ने चेतावनी देते हुए कहा कि आज देश की कई माताओं ने अपना बेटा, कई बहनों ने अपना भाई, कई पत्नियों ने अपना पति, कई बच्चियों ने अपना पिता और कई परिवारों के रोज़ी रोटी का साथी ही खो दिया, लेकिन फिर भी इस बार सरकार से सांत्वना नहीं, बल्कि बदले की उम्मीद है।प्रदर्शन में महिलाओं एवं भूतपूर्व सैनिकों सहित सैकड़ों राष्ट्रभक्त मौजूद थे, जिसमे मुख्य रूप से राजेंद्र प्रेमचंदनी, दिनेश अग्रवाल, दीपिका वाधवानी, कुमार दुबे, रवि आनंद, आदि मोजूद रहे।

विकास को वरदान बनाता है संस्कार: उप मुख्यमंत्री

उप मुख्यमंत्री बागेश्वर कसौधन वैश्य समाज की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए

भोपाल। राज्य शासन के उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि व्यक्तियों के समूह से समाज बनता है और समाज से देश का निर्माण होता है, लेकिन संस्कार देने का कार्य समाज करता है। विकास को वरदान बनाता है संस्कार। संस्कार से ही सशक्त समाज की रचना होती है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल दोपहर को ड्रीम वर्ल्ड गार्डन एवं रिसोर्ट गोम्मटगिरि इंदौर में आयोजित श्री बागेश्वर कसौधन वैश्य समाज की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। इस मौके पर पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय विशेष रूप से उपस्थित थे। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि भगवान शिव के अवतार है बागेश्वर और ऋषि कश्यप के वंशज है, जिनका संबंध कश्मीर से है। बागेश्वर कसौधन वैश्य समाज देशभर में फैला है और यह शिक्षा, स्वास्थ्य के बेहतरी के साथ-साथ सामूहिक विवाह जैसे कार्य भी कर रहा है, जो अनुकरणीय है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने आगे कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और बेहतर रोजगार के क्षेत्र में केन्द्र सरकार और राज्य सरकार की कई कल्याणकारी योजनाएं चल रही है। जिसमें आयुष्मान भारत योजना, लाड़ली बहना योजना, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना, स्टार्टअप योजना आदि शामिल है। इन योजनाओं से समाज लाभान्वित हुआ और उनके जीवन में बदलाव आया। शुक्ल ने कहा कि देश में जितने अधिक रोजगार के अवसर होंगे, भारत उतनी तेजी से आर्थिक महाशक्ति बनेगा। इसमें हर समाज अपनी भूमिका निभायें। शुक्ल ने युवाओं से आह्वान किया कि देश को आगे बढ़ाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाये और नशे से दूर रहें।

पितृ पर्वत पहुंचे उप मुख्यमंत्री शुक्ल

इंदौर। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल आज दोपहर पितृ पर्वत पहुँचे और वहाँ उन्होंने हनुमानजी के दर्शन एवं पूजा-अर्चना की। इस मौके पर पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय भी साथ थे। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने श्री विजयवर्गीय के साथ सम्पूर्ण मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए कहा कि मंत्री कैलाश विजयवर्गीय एवं जागरूक नागरिकों ने एक निर्जन पहाड़ी पर लाखों पौधों का रोपण कर उसे हरियाली में तबदील कर दिया है। जिसे आज हम पितृ पर्वत के नाम से जानते हैं। पितृ पर्वत पर इतना सघन वृक्षारोपण बगैर इच्छा शक्ति के संभव नहीं है, लेकिन कैलाश विजयवर्गीय ने अपनी इच्छा शक्ति से करके दिखा दिया। पितृ पर्वत आज इंदौर का प्रमुख दर्शनीय स्थल बन चुका है।

स्कूल को भेंट की स्मार्ट टीवी

भोपाल। जिला पंचायत सभागार में एस आर एफ फाउंडेशन द्वारा जिले में किया जा रहे शैक्षणिक, भौतिक और डिजिटल रूपांतरण की समीक्षा हेतु एक केंद्रीय स्तरीय बैठक आयोजित की गई। यह बैठक भोपाल टीम के समन्वय अकरम सिद्दीकी के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। जिसमें मुख्य अतिथि मोहन सिंह जाट उपाध्यक्ष जिला पंचायत भोपाल एवं सीईओ इला तिवारी उपस्थित थी। जिनके हाथों से फंदा ब्लॉक की ग्राम पंचायत बरखेड़ी अब्दुल्ला के प्राथमिक शाला स्कूल को 55 इंच की स्मार्ट टीवी, दो मोबाइल टैबलेट एवं इनवर्टर भेंट किया गया। बैठक में मुख्य रूप से भोपाल जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि विनोद राजोरिया, अनिल हाडा, सुरेश राजपूत, डीपीसी, बीआरसी फंदा, 10 शासकीय स्कूलों के हेड मास्टर शिक्षक एवं एसआरएफ फाऊंडेशन के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

प्रदेश में अफसरों की कमी, डीजीपी समेत 11 आईपीएस इस साल हो रहे रिटायर, कई पद खाली

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश में आईपीएस अधिकारियों की पोस्टिंग को पांच भागों में विभाजित किया गया है, जिनमें प्रमुख रूप से सीनियर ड्यूटी पोस्ट शामिल है। अभी केवल 173 अफसर एसडीपी पर कार्यरत हैं, जबकि शेष पोस्टिंग सेंट्रल डेप्युटेशन, स्टेट डेप्युटेशन, ट्रेनिंग और लीव रिजर्व में हैं। आंकड़ों के मुताबिक, 86.5त्न पोस्ट रिजर्व कैटेगरी में आती हैं, जिनके आधार पर अफसरों को डेप्युटेशन पर भेजा जाता है। वहीं इस साल 11 आईपीएस रिटायर हो रहे हैं। तो यह कमी और ज्यादा बढ़ जाएगी। मध्यप्रदेश में डीजी स्तर के कुल 10 पद स्वीकृत हैं, लेकिन मौजूदा रुझान के अनुसार 2033 तक सिर्फ 5 अफसर ही इस पद के योग्य रह जाएंगे। इन अफसरों में विवेक शर्मा (1998), दीपिका सूरी (1999), प्रमोद वर्मा (2001), अभय सिंह (2002), और हरिनारायणचारी मिश्र (2003) शामिल हैं। डीजी पद के लिए न्यूनतम 30 साल की सेवा जरूरी मानी जाती है। प्रदेश में 222 डायरेक्ट और 97 प्रमोटी आईपीएस, कुल मिलाकर 319 स्वीकृत पद हैं। चूंकि कोई भी आईपीएस औसतन 33 साल की सेवा देता है, इस आधार पर हर साल 6.72 यानी करीब 7 आईपीएस अफसरों की नियुक्ति जरूरी है। यह औसत लंबे समय तक नहीं पूरा हो पाने के कारण भविष्य में गंभीर अफसर संकट सामने आ सकता है।

1997 से 2009 के बीच निकले कम अफसर

एमपी आईपीएस अफसर की कमी से जूझ रहा है। इसकी मुख्य वजह मानी जा रही है 1997 से 2009 तक के छोटे बैच।2000 से 2002 के बीच के केवल एक-एक अफसर ही एमपी को मिल सका। हालांकि 2010 के बाद से भर्ती में सुधार आया और अब 6-7 अफसर हर साल नियुक्त हो रहे हैं। एमपी गृह विभाग की ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, 319 स्वीकृत पदों में से अभी सिर्फ 253 अफसर ही तैनात हैं, और 66 पद खाली हैं। यह संख्या साल के अंत तक 77 तक पहुंच सकती है क्योंकि 11 अफसर इसी साल रिटायर होने वाले हैं।

डीजीपी समेत सीनियर अफसरों के रिटायरमेंट से विभाग पर दबाव

डीजीपी सहित सीनियर अफसरों के रिटायरमेंट से फील्ड और मुख्यालय दोनों पर दबाव बढ़ जाएगा। इतनी बड़ी संख्या में सीनियर आईपीएस अधिकारियों के एक ही साल में रिटायर होने से फील्ड स्तर और पुलिस मुख्यालय दोनों पर कार्यभार बढ़ने की आशंका है। गृह विभाग इन रिक्तियों को भरने के लिए केंद्र से अतिरिक्त कैडर स्वीकृति की मांग कर सकता है और भर्ती/प्रोन्नति प्रक्रिया में तेजी लाने की योजना पर काम कर रहा है।

जानिए किस महीने कौन अधिकारी होंगे रिटायर

अप्रैल: डीआईजी डालूराम तेनीवार

मई: डीजी अरविंद कुमार, संजय कुमार सिंह

जून: एडीजी डीसी सागर

जुलाई: डीजी गोविंद प्रताप सिंह

अगस्त: आईजी जेएस राजपूत, योगेश मुदगल, अशोक कुमार गोयल

सितंबर: आईजी अनुराग शर्मा

नवंबर: कमांडेंट भगत सिंह विरदे

दिसंबर: डीजीपी कैलाश मकवाना, स्पेशल डीजी पवन श्रीवास्तव

संपादकीय

पहलगाम हमले पर सियासी सरहदें टूटीं

एकजुट भारत ने दिया दुश्मनों को कड़ा संदेश

यह एक स्वस्थ लोकतंत्र की निशानी है कि जब भी राष्ट्रीय सुरक्षा का मसला उठता है, तो सभी राजनीतिक दल अपने नफे-नुकसान से ऊपर उठ कर एकजुटता दिखाते और सार्थक समाधान के उपाय तलाशते हैं। पहलगाम आतंकी हमले पर राजनीतिक दलों की एकजुटता और सरकार को खुले मन से समर्थन इस अर्थ में सराहनीय है। इस मामले में सरकार ने भी लचीला रुख दिखाया और स्वीकार किया कि सुरक्षा व्यवस्था में उसकी तरफ से चूक हुई है। दरअसल, विपक्षी दल इसी मुद्दे पर लगातार सवाल पूछ रहे थे। सरकार ने उसे टालने का प्रयास नहीं किया और अपनी कमजोरी को स्वीकार किया। इससे आगे की रणनीति पर काम करने में आसानी होगी। सबसे ब? विपक्षी दल के अध्यक्ष ने कहा कि इस मसले पर सरकार जो भी फैसला करेगी और कदम उठाएगी, उसमें उनकी पार्टी उसके साथ ख?ी रहेगी। अन्य सभी विपक्षी दलों ने भी सरकार को यही भरोसा दिलाया। निस्संदेह इससे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एक सशक्त संदेश गया और इस आतंकी हमले को लेकर सियासत करने का सिलसिला भी समाप्त हो गया है। अच्छी बात है कि सरकार ने इस मसले पर देश के सभी राजनीतिक दलों को अपने साथ जो? लिया।

हालांकि ऐसे नाजुक मामलों में सूचनाएं और संसाधन सरकार के पास ही होते हैं और आगे के कदम उसे ही उठाने होते हैं, पर वह विपक्षी दलों को नजरअंदाज नहीं कर सकती। जिन मामलों में पूरे देश के प्रतिनिधित्व की जरूरत होती है, उनमें उन्हें साथ लेना ही चाहिए।

एक्ट्रेस की मोहब्बत या मौत का जाल? दोस्त के शव के सामने संबंध बनाने के आरोप, 300 टुकड़े कर जलाई बॉडी 7 स्थ्हह्ल्द्ध स्त्रस्त्रड्डयही परंपरा भी रही है। अगर ऐसा न होता, तो बेवजह सियासी रस्साकशी शुरू होती, जो कि किसी भी रूप में अच्छा नहीं कहा जा सकता। विपक्षी दलों ने अपनी लोकतांत्रिक मर्यादा निभाई है, अब सरकार पर है कि वह किस तरह उनकी भावनाओं का मान रखती है। यों, ऐसे मौकों पर सरकार के ऊपर कई अतिवादी किस्म के दबाव भी बनते हैं, जो कि बन भी रहे हैं। पर क्या देश के हित में है, उसका फैसला अंतिम रूप से सरकार को ही करना प?ता है।

विपक्षी दलों की तरफ से एक सुझाव आया कि सरकार को सीमा पार आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद करने की कोशिश करनी चाहिए। सभी ने पाकिस्तान पर शिकंजा कसने के लिए सरकार के फौरी फैसलों की सराहना की है। पर देश के बहुत सारे लोगों की भावना पाकिस्तान के खिलाफ सख्त और निर्णायक कदम उठाने की है। भारत के फैसलों के जवाब में पाकिस्तान ने जो कदम उठाए हैं, उससे जाहिर है कि वह रार लेना चाहता है। भारत के सामने पाकिस्तान की हैसियत बहुत मामूली है। वह इस वक्त बहुत बुरे दौर से गुजर रहा है। जबकि भारत तेजी से ब?ती अर्थव्यवस्था है और दुनिया के देश इसकी तरफ सम्मान की नजर से देखते हैं। पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय बिरादरी में अलग-थलग प?ा हुआ है। वहां की हुकूमत खुद अपनी अहमियत के लिए जूझ रही है। ऐसे में भारत को उसे सबक सिखाने के लिए बहुत ठंडे दिमाग से फैसला करना होगा। पुलवामा की घटना के बाद जिस तरह उस पर निरंतर दबाव बनाए रखने की जरूरत थी, उस पर फिर से विचार किया जा सकता है। आतंकवाद से निपटने के मसले पर भारत को दुनिया के अनेक देशों का समर्थन हासिल है, इसलिए पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को खत्म करने को लेकर रणनीति बनाना महत्त्वपूर्ण हो सकता है।

भारत मुस्लिम आबादी के लिहाज से शीर्ष तीन देशों में होने के बावजूद ओआईसी का सदस्य नहीं है लेकिन इसके बाद भी इस्लामिक देश भारत को एक भरोसेमंद और व्यावहारिक पार्टनर मानते हैं। अरब के ताकतवर मुस्लिम देश भारत के सबसे अहम साझेदार हैं। 2016 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सऊदी अरब का सर्वोच्च नागरिक सम्मान अब्दुल अजीज़ सैश दिया गया था। वहीं 2017 में ऑर्गनाइज़ेशन ऑफ़ इस्लामिक कॉपरेशन यानी ओआईसी के पूर्ण अधिवेशन में तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज को भाषण देने के लिए आमंत्रित किया गया और पाकिस्तान ने विरोध किया तो ओआईसी ने उसे दरकिनार कर दिया।

भारत-पाक युद्ध हुआ तो इस्लामिक देश किसका साथ देंगे?

डॉ.ब्रह्मदीप अलूने

सऊदी अरब इस्लामिक देश है,फिर भी भारत में भारी निवेश करता है और पाकिस्तान की हैसियत उसके लिए कुछ नहीं है। दरअसल भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बहुत गहरा है और पाकिस्तान इस बात को बखूबी जान चूका है की जिन इस्लामिक देशों के बूते वह भारत को परेशान करना का ख्वाब देखता था,वह धुल धूसरित हो चूका है। यह यथार्थवादी दुनिया है जहां आर्थिक फायदों से दोस्ती के रास्ते तय किए जाते है और पाकिस्तान यह भी बखूबी जानता है की जब अरबों डॉलर के व्यापार,तेल,निवेश,हथियार या टेक्नोलॉजी की बात आती है तो धर्म पीछे छूट जाता है। यह भी दिलचस्प है की भारतीय मुसलमानों को खा?ी के देशों में ज्यादा तरजीह मिलती है क्योंकि वे अपेक्षाकृत शांत और आधुनिक शिक्षा प्राप्त होकर बेहतर अंग्रेजी और तकनीक का ज्ञान रखते है।

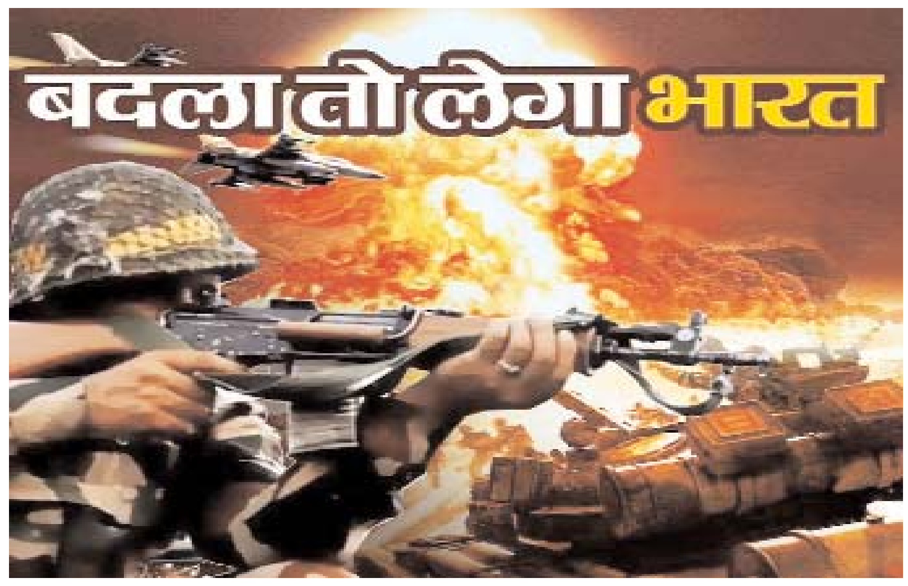

भारत मुस्लिम आबादी के लिहाज से शीर्ष तीन देशों में होने के बावजूद ओआईसी का सदस्य नहीं है लेकिन इसके बाद भी इस्लामिक देश भारत को एक भरोसेमंद और व्यावहारिक पार्टनर मानते हैं। अरब के ताकतवर मुस्लिम देश भारत के सबसे अहम साझेदार हैं। 2016 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सऊदी अरब का सर्वोच्च नागरिक सम्मान अब्दुल अजीज़ सैश दिया गया था। वहीं 2017 में ऑर्गनाइज़ेशन ऑफ़ इस्लामिक कॉपरेशन यानी ओआईसी के पूर्ण अधिवेशन में तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज को भाषण देने के लिए आमंत्रित किया गया और पाकिस्तान ने विरोध किया तो ओआईसी ने उसे दरकिनार कर दिया। उस समय पाकिस्तान के तत्कालीन विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने आपत्ति जताई थी और कहा था कि अगर भारत इस अधिवेशन में आएगा तो वह इसमें शामिल नहीं होंगे । इस धमकी के बावजूद ओसीआई ने अपना न्योता वापस नहीं लिया और हुआ ये कि इस अधिवेशन में पाकिस्तान शामिल नहीं हुआ लेकिन सुषमा स्वराज ने अधिवेशन को संबोधित किया था।

2021 में तो इस्लामिक देशों ने पाकिस्तान को ऐसा झटका दिया जिसकी उसने कल्पना तक नहीं की होगी। पाकिस्तान एवं सऊदी अरब द्वारा आयोजित इस्लामिक सहयोग संगठन के सदस्य देशों के विदेश मंत्री परिषद की 17वीं विशेष बैठक इस्लामाबाद में हो रही थी। उसी दिन भारत में अफ़ग़ानिस्तान में संकट एवं क्षेत्रीय संबंधों के मुद्दे पर बातचीत होना प्रस्तावित थी। इस्लाम बाहुल्य मध्य एशियाई देशो किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, कजाकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज़्बेकिस्तान के विदेश मंत्री पाकिस्तान को झटका देकर और इस्लामाबाद को छो?कर भारत की बैठक में शामिल हुए।

25 सितंबर 1969 को ओआईसी की स्थापना हुई थी। शुरुआत में पाकिस्तान इस्लामिक देशों के सबसे ब? संगठन का इस्तेमाल भारत विरोध के लिए करता था। लेकिन वैश्वीकरण और उदारीकरण के बाद सब कुछ बदल गया है। सऊदी अरब और खाड़ी के ज़्यादातर देशों के लिए विकास और व्यापार मायने रखता है और भारत इस लिहाज से दुनिया के तमाम देशों की पसंदीदा लिस्ट में शुमार है। भारत के के डे? करो? अनिवासी भारतीयों में से तकरीबन 66 फीसदी से अधिक संयुक्त अरब अमीरात,सऊदी अरब,कुवैत,कतर,ओमान और बहरीन में रहते हैं। 2021 में भारत और सऊदी अरब ने अल-मोहद अल-हिंदी अभ्यास नामक अपना पहला नौसेना संयुक्त अभ्यास शुरू किया।

सऊदी अरब में भारतीय निवेश लगभग 10 बिलियन अमेरिकी डॉलर है जो आईटी, दूरसंचार, फार्मा और निर्माण जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित है। 2023-24 में,सऊदी अरब भारत का तीसरा सबसे बड़ा कच्चे तेल का स्त्रोत था जो भारत के कुल कच्चे तेल आयात का सा? चौदह फीसदी के करीब था। 2017 में खेल गतिविधि के रूप में मान्यता मिलने के बाद योग ने सऊदी अरब में लोकप्रियता हासिल की। 2018 में सुश्री नौफ अल-मरवाई को सऊदी अरब में योग को बढ़ावा देने के लिए भारत के द्वारा पद्म श्री से सम्मानित किया गया। सऊदी अरब में ढाई मिलियन की संख्या वाला भारतीय समुदाय सऊदी अरब में सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय है और यह सबसे पसंदीदा समुदाय है। सऊदी अरब के विजन 2030 में विविधीकरण का लक्ष्य रखा गया है तथा सौर और हरित हाइड्रोजन में भारत की विशेषज्ञता संयुक्त नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए द्वार खोलती है।

इस्लामिक देशो में संयुक्त अरब अमीरात का ब?ा रुतबा है। आइये इस शक्तिशाली देश से भारत के संबंधों के बारे में भी आपको बताते है। अरब विश्व का पहला परमाणु ऊर्जा संयंत्र बराका अबू धाबी अमीरात के भीतर अल धफरा में स्थित है। बराका परमाणु ऊर्जा संयंत्र का संचालन और रख-रखाव भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम लिमिटेड करता है। यूएई भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। यूएई भारत के लिये एक प्रमुख तेल आपूर्तिकर्ता है और भारत के सामरिक पेट्रोलियम रि?र्व में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है जो भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिये महत्त्वपूर्ण है। दोनों देश सीमा पार लेनदेन के लिये भारतीय रुपए और दिरहम के उपयोग को बढ़ावा देने के लिये एक स्थानीय मुद्रा निपटान प्रणाली प्रणाली पर सहमत हो चूके है।

यूएई और भारत ने आतंकवाद-रोधी, खुफिया जानकारी साझा करने तथा संयुक्त सैन्य अभ्यासों पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपने रक्षा और सुरक्षा सहयोग को म?बूत किया है। यूएई ने भारत निर्मित मिसाइलों और विमानों को खरीदने में भी दिलचस्पी दिखाई है। एक मुस्लिम देश होने के बाद भी अबू धाबी में हिंदू मंदिर बनाकर संयुक्त अरब अमीरात ने भारत के प्रति सम्मान दिखाया है।

1965 और 1971 के युद्द में ईरान पाकिस्तान के साथ ख?ा था। उसने पाकिस्तान को हथियार और गोला बारूद भी दिए थे। तब ऐसा अमेरिका के प्रभाव के कारण हुआ था। उस दौरान ईरान में अमेरिकी समर्थित सरकार हुआ करती थी। अब ईरान और पाकिस्तान के सम्बन्ध खराब दौर में पहुंच चूके है। वहीं ईरान और भारत के सम्बन्ध बहुत मजबूत है। मई 2024 में भारत और ईरान ने बंदरगाह के संचालन के लिए 10 वर्ष के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए है जो इसके रणनीतिक महत्व को रेखांकित करता है। वहीं ब्रिक्स में ईरान को शामिल करने के लिए भारत ने समर्थन देकर इस इस्लामिक देश के विश्वास को जीता है। एक और इस्लामिक देश मिस्त्र से भी भारत के मजबूत सम्बन्ध है। मिस्त्र के सर्वोच्च राजकीय सम्मान ऑर्डर ऑफ द नाइल से प्रधानमंत्री मोदी को सम्मानित किया गया है। भारत और मिस्त्र के बीच रणनीतिक साझेदारी ब?ी है तथा इस देश ने ने भारतीय मिसाइलों को खरीदने में रुचि व्यक्त की है जो मध्य-पूर्व और विशेष रूप से मिस्त्र को रणनीतिक रूप से सुरक्षित बनाने में सकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं।

ओआईसी इस्लामिक या मुस्लिम बहुल देशों का संगठन है। इसके कुल 57 देश सदस्य हैं। ओआईसी में सऊदी अरब का दबदबा है। सऊदी अरब का पाकिस्तान पर ब?ा कर्ज है और इसके वापस मिलने की संभावना बिल्कुल नहीं है। जाहिर है पाकिस्तान इस्लामिक देशों के बीच खुद की हैसियत को बखूबी जानता है । भारत से युद्द करने के लिए पाकिस्तान पास न तो पैसा है,न ही साहस और न ही किसी इस्लामिक देश के समर्थन की उम्मीद। इस्लामिक देश पाकिस्तान को एक अस्थिर और नाकाम राष्ट्र मानते है जहां उन्हें निवेश की कोई भी संभावना उन्हें नजर नहीं आती। वहीं शक्तिशाली इस्लामिक देशों की आर्थिक,सामरिक और सांस्कृतिक भागीदारी तथा निवेश और आपसी सहयोग के लिए भारत पहली पसंद बन गया है।

मनुष्य के मौलिक सृजन को संरक्षित करना बढ़ी चुनौती

ललित गर्ग

रचनात्मकता, सृजनात्मकता और संरचनात्मकता मनुष्य की स्वाभाविक वृत्ति है, मानव की इन मौलिक विशेषताओं एवं उपलब्धियों को उचित सम्मान मिले, उचित प्रोत्साहन एवं पारिश्रमिक मिले, ऐसे नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए ही हर साल 26 अप्रैल को विश्व बौद्धिक संपदा दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य बौद्धिक संपदा (आईपी) के बारे में जागरूकता ब?ाना है और नवाचार तथा रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने में आईपी की भूमिका को उजागर करना है। कृत्रिम बौद्धिकता के दौर में मानव की स्वतः स्फूर्त बौद्धिकता का संरक्षण, संवर्द्धन एवं प्रोत्साहन ज्यादा जरूरी है। 2025 की थीम 'आईपी और संगीतः आईपी की धड़कन महसूस करें' है। यह संगीत उद्योग में बौद्धिक संपदा (आईपी) की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देता है, इस थीम का उद्देश्य आईपी के माध्यम से संगीत रचनाकारों की रचनाओं की रक्षा करना और उन्हें उनके काम के लिए उचित मान्यता दिलाना है। 26 अप्रैल को विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के लिए इसलिए चुना गया क्योंकि इसी दिन 1970 में विश्व बौद्धिक संपदा संगठन की स्थापना करने वाला कन्वेंशन लागू हुआ था। यह दिन बौद्धिक संपदा अधिकारों जैसे पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क आदि के महत्व को उजागर करता है, जो नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने में मदद करते हैं।

बौद्धिक संपदा दिमाग की रचनाओं से संबंधित है, जैसे आविष्कार, साहित्यिक सृजन, संगीत, कला और कलात्मक कार्य, डिजाइन और व्यापार में उपयोग किए जाने वाले प्रतीक, नाम और चित्र आदि। ऐसे रचनात्मक काम जो पहले नहीं किया गया हो, ये हमारी बौद्धिक संपदा है। इस रचनात्मक सम्पदा का कोई दूसरा अनाधिकृत उपयोग नहीं सके, इसके लिए हमें अपनी बौद्धिक संपदा को सुरक्षित एवं संरक्षित करवाना चाहिए। इसी उद्देश्य से यह दिवस बौद्धिक संपदा संरक्षण के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देता है, दुनियाभर में बौद्धिक संपदा संरक्षण के प्रभाव को विस्तार देता है, देशों से बौद्धिक संपदा संरक्षण कानूनों और विनियमों को प्रचारित और लोकप्रिय बनाने का आग्रह करता है, बौद्धिक संपदा अधिकारों के बारे में सार्वजनिक कानूनी जागरूकता बढ़ाता है। इसके साथ ही इसका बड़ा उद्देश्य है विभिन्न देशों में आविष्कार-नवाचार गतिविधियों को प्रोत्साहित करना और बौद्धिक संपदा क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय आदान-प्रदान को मजबूत करना है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उद्भव एवं प्रचलन का बौद्धिक संपदा (आईपी) ढांचे पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है, जो एक बड़ी चुनौती है। हमें एआई जैसे नवाचार प्रोत्साहनों के उभरते परिदृश्य और मौजूदा आईपी ढांचे के लिए इसके द्वारा उत्पन्न चुनौतियों पर मंथन करना होगा। पेटेंट योग्यता दुविधाओं से लेकर कॉपीराइट पहेली तक, हम पाते हैं कि तेजी से तकनीकी प्रगति के बीच नवाचार को ब?ावा देने और सामाजिक हितों की रक्षा करने के बीच एक नाजुक संतुलन है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रौद्योगिकी और इंटरनेट के साथ हमारे संपर्क के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है। जैसे-जैसे एआई अभूतपूर्व गति से आगे बढ रहा है, इसका बौद्धिक संपदा के संरक्षण पर चुनौतीपूर्ण गहरा प्रभाव पड़ रहा है। चैटजीपीटी जैसे एआई चैट बॉट अविश्वसनीय रूप से परिष्कृत मानव-जैसे लिखित उत्तर दे सकते हैं, क्योंकि भाषा मॉडल की प्रश्नों और कार्यों को समझने और उन टेक्स्ट और डेटा के आधार पर प्रतिक्रियाएं देने की क्षमता है, जिन पर इसे प्रशिक्षित किया गया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता अन्य क्षेत्रों में भी भी जैसे कला, लेखन, युद्ध, व्यापार, प्रबंधन, संगीत, फिल्म-निर्माण आदि में भी दखल ब? रहा है। एआई सार्वजनिक क्षेत्र में पहले से कहीं ज्यादा है और व्यवसाय में इसकी भूमिका दिनोंदिन बढ रही है।

इसी के साथ बौद्धिक सम्पदा के सम्मुख सोशल मीडिया भी एक ब?ी चुनौती है। क्योंकि सोशल मीडिया के दौर में हर कोई दूसरों की रचनात्मकता एवं मौलिक सृजन को अपना बता कर पेश कर रहा है। इसलिए हर व्यक्ति को अपनी बौद्धिक संपदा के लिए जागरूक होना होगा। प्रत्येक व्यक्ति में कुछ अलग और रचनात्मक एवं मौलिक काम करने की क्षमता होती है। हम अपनी बौद्धिक संपदा को पांच तरीके से संरक्षित कर सकते हैं। इसमें पहला है कॉपीराइट, दूसरा पेटेंट, तीसरा ट्रेडमार्क, चौथा है औद्योगिक डिजाइन और पांचवा है भौगोलिक संकेतक। अगर आप कुछ लिखते हैं, जो आपका मौलिक लेखन है तो आप कॉपीराइट करा सकते हैं। इसके बाद व्यापार के क्षेत्र में होता है ट्रेडमार्क, जो आपका सिंबल होता है, जो किसी संस्था, कंपनी की पहचान के लिए होता है, उसे अगर ट्रेडमार्क करवा सकते हैं तो कोई दूसरा उस सिंबल का उपयोग नहीं कर सकेगा। इस वर्ष की थीम संगीत पर केन्द्रित है। संगीत ने हमेशा लोगों को जोड़ने, बदलाव को प्रेरित करने और सांस्कृतिक विकास को आगे ब?ाने में एक अनूठी भूमिका निभाई है।

भारत की प्रतिक्रिया का और विस्तार ज़रूरी

पहलगाम आतंकी हमले की प्रतिक्रिया में भारत की मोदी सरकार ने पाकिस्तान के विरुद्ध

राकेश दुबे

कुछ कठोर कदम उठाए हैं, राजनयिक संबंध लगभग तोड़ दिए गए हैं और 1960 की ऐतिहासिक सिंधु जल संधि तुरंत प्रभाव से स्थगित कर दी गई है। यह संधि विश्व बैंक की मध्यस्थता से हुई थी।

अब पाकिस्तान वालों को भारत आने का, किसी भी तरह का, वीजा नहीं दिया जाएगा। सार्क देश होने के कारण जो छूट थी, उसे भी रद्द कर दिया गया है। राजनयिकों को भारत छोडने को मात्र एक सप्ताह का वक्त दिया गया है। नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान के उच्चायोग में रक्षा, नौसेना, वायुसेना, थलसेना आदि के सलाहकारों को भी 48 घंटे में भारत छोडने के आदेश दे दिए गए हैं। अटारी-वाघा सीमा चेकपोस्ट को बंद कर दिया गया है। इस रास्ते से भारत में प्रवेश करने वाले पाकिस्तानी एक मई से पहले लौट जाएं। पाकिस्तान उच्चायोग में 55 कर्मचारियों की संख्या घटा कर 30 तय कर दी गई है।

भारत इस्लामाबाद से अपने सैन्य सलाहकार और राजनयिक वापस बुला रहा है। बेशक जल संधि रोकने से तुरंत प्रभाव नहीं पड़ेगा। पानी निर्बाध होता है और भारत से बहुत सा पानी बहकर पाकिस्तान को जाता रहा है। यदि अब उसे रोकना है, तो भारत सरकार को कुछ छोटे बांध बनाने होंगे पनबिजली परियोजनाएं भी शुरू कर पानी को बांधा जा सकता है। फिलहाल गर्मी के बाद मॉनसून के मौसम में बारिश से जल-संकट इतना महसूस न हो, लेकिन दिसंबर के सर्द मौसम से अप्रैल तक पाकिस्तान में पानी के लिए हाहाकार मच सकता है। वहां की खेती, बिजली और उद्योग सिंधु जल प्रणाली के भरोसे ही हैं। लाहौर, कराची, मुल्तान जैसे प्रमुख शहर सिंधु जल पर ही आश्रित हैं। पानी को रोक देने से 23 करोड़ से अधिक लोगों के सामने भरण-पोषण और खाद्य-संकट गहरा सकते हैं। बहरहाल मोदी सरकार ने इस बार आतंकी हमले का प्रतिशोध इस तरह लिया है, जिससे पाकिस्तान की अवाम सीधे तौर पर प्रभावी हो। कई बार सिंधु जल संधि को स्थगित करने का विचार किया गया, लेकिन अवाम को देखते हुए उस फैसले को टालना पड़ा। था

इस बार भारत प्रतिघात की पराकाष्ठा मुद्रा में है। सुरक्षा संबंधी कैबिनेट कमेटी ने पाकिस्तान पर जो प्रतिघात किए हैं, उनकी स्पष्ट व्याख्या यह है कि खून के साथ जल नहीं बह सकता। जिस तरह आतंकवाद और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते, उसी तरह आतंकिस्तान के साथ जल साझा नहीं किया जा सकता। बहरहाल पाकिस्तान पर यही पाबंदियां ही पर्याप्त नहीं हैं। भारत जीवन बचाने वाली दवाओं की आपूर्ति करता रहा है। उस पर भी तुरंत प्रभाव से रोक लगा देनी चाहिए। जिन देशों को पाकिस्तान कपड़ा और चावल भेजता है, भारत उन देशों में दखल करे। कपड़ा और चावल के उत्पादन को हम बढ़ा सकते हैं और किफायती दामों पर देशों को सप्लाई कर सकते हैं। इससे पाकिस्तान के पेट पर करारी लात पड़ेगी।

इसके अलावा, जो विदेशी कंपनियां पाकिस्तान में निवेश करती हैं, भारत उनसे साफ कहे कि यदि भारत के साथ कारोबार करना है, तो वे कंपनियां भारत में ही निवेश करें। दलील आतंकवाद की दी जा सकती है। भारत अभी दुबई, अबू धाबी में पाकिस्तानी टीम के साथ क्रिकेट खेल लेता है। इसका भी बहिष्कार किया जाए और क्रिकेट संबंध बिल्कुल ही खत्म किए जाने चाहिए। पाकिस्तान के खेल संघ दिवालिया हो जाएंगे। बताया जा रहा है कि पाक अधिकृत कश्मीर में आतंकियों के 42 लॉन्चिंग पैड हैं, जहां 130-150 आतंकवादी सक्रिय हैं। पाकिस्तान यह कभी भी कबूल नहीं करेगा, लिहाजा सरकार को सैन्य प्रहार पर भी विचार करना होगा। इस बार आतंकियों के ये अड्डे नहीं, बल्कि पाकिस्तानी फौज के केंद्रों पर हमले कर उन्हें विकलांग बना देना चाहिए। बेशक पाकिस्तान भी पलटवार कर सकता है, लेकिन उसकी आर्थिक हालत इतनी पतली है कि वह छोटा-सा टकराव झेल नहीं सकता। युद्ध तो बहुत दूर की कौड़ी है। यह विश्लेषण उन रक्षा विशेषज्ञों का है, जो कश्मीर के मोर्चे पर सालों तक तैनात रहे और लड़ाइयों का नेतृत्व भी किया। वे पहलगाम हमले का प्रत्यक्ष साजिशकार पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर को मानते हैं, जिन्होंने बीते दिनों एक बेहद भडकाऊ संबोधन दिया था। वह आईएसआई के प्रमुख भी रहे हैं और कट्टरपंथी जमात से आते हैं। बहरहाल देश को अभी निर्णायक आघात का इंतजार है।

ना 'पाक' को इस बार बदले का मतलब समझ आएगा

सरयूसुत मिश्रा

भारत का पाकिस्तान और आतंक के खिलाफ गुस्सा इसी बात से साबित हो रहा है कि, जो समझौता भारत-पाकिस्तान युद्ध के समय भी नहीं रोका था, उसे अब रोक दिया गया है. यह सारे एक्शन बताने के लिए पर्याप्त हैं कि, पाकिस्तान के साथ जो कुछ होने वाला है वह कल्पना से परे होगा.

सब अपने अपने अंदाज लगा रहे हैं. पीएम मोदी की पहलगाम हमले पर पहली सार्वजनिक प्रतिक्रिया ने भारत के ब्रह्मास्त्र एक्शन का इशारा कर दिया है. बुद्ध की धरती बिहार की मधुबनी में पंचायती राज सम्मेलन को संबोधित करते हुए अपने भाषण के बीच में पीएम मोदी ने आतंकवादी घटना पर जितना क्लियर मैसेज दिया है, उतना अब तक किसी भी प्रधानमंत्री ने नहीं दिया है.

पीएम ने साफ कहा कि, 'आतंकवादियों को बख्शा नहीं जाएगा, केवल आतंकवादी ही नहीं उनके पीछे की ताकतों को भी छो?ा नहीं जाएगा'. पीएम ने हिंदी में भाषण देते हुए अचानक अंग्रेजी में अपनी बात कह कर वर्ल्ड को मैसेज दिया. उन्होंने साफ-साफ कहा कि 'देश की आत्मा पर हमला करने वालों को भारत खोजेगा, ट्रैक करेगा और वह दुनिया में किसी भी जगह हो, उनको सजा दी जाएगी'.

मोदी ने भारत के संभावित एक्शन पर भी इशारा किया. उन्होंने कहा कि, ऐसे कदम उठाए जाएंगे जिसकी दोषी, कल्पना भी नहीं कर सकते. अब तक मोदी का ट्रैक रिकॉर्ड तो यही बताता है कि, ना वह डरते हैं और ना झुकते हैं. आतंकवादी हमले के समय अगर पीड़िता को यह कहने का दुस्साहस करते हैं कि तुम्हें नहीं मारेंगे जाकर मोदी को बताओ तो इसका सीधा मतलब है कि पाकिस्तान में मोदी का भय किस लेवल पर है.

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी ऐसा ही इशारा कर चुके हैं. भारतीय सेना तैयारी में जुटी हुई है. भारतवासियों को उम्मीद है कि, शहीद पर्यटकों की तेरहवीं से पहले पाक को सबक ?रूर मिल जाएगा. पाकिस्तान से आ रही खबरें वहां मची खलबली का इशारा कर रही हैं. एलओसी पर पाक सेनाओं का मूवमेंट यही बता रहा है कि पाकिस्तान में भारत के संभावित एक्शन से वहां घबराहट है.

पीएम का कमिटमेंट और मैसेज सुनकर तो पाकिस्तान अपनी रक्षा की चिंता में पड़ गया होगा. जब हमारे वीर पायलट अभिनंदन को पकड़ लिया गया था और पीएम नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान सरकार को धमकाया था कि अगर चौबीस घंटे में हमारे पायलट को नहीं छोड़ा गया, तो फिर भारत-पाकिस्तान पर हमला करेगा. यह बात तो इतिहास है, दुनिया ने देखा है कि, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने अपनी संसद में कहा कि, अगर अभिनंदन को नहीं छोड़ा गया तो भारत पाकिस्तान पर हमला

कर देगा. पाकिस्तान ने देश के वीर सपून को ससम्मान भारत को सौंपा. भारत और पाकिस्तान की सेना की कोई तुलना नहीं है. जब भी पाकिस्तान के साथ भारत का युद्ध हुआ है, भारतीय सैनिकों ने पाकिस्तान को घुटनों पर खड़ा कर दिया है. पाकिस्तान को बाँटकर बांग्लादेश बनाने का साहस भी भारत ने हीं किया है. आज तो पाकिस्तान की सेना में बगावत के हालात हैं. बलूचिस्तान और दूसरे इलाकों में सेना के खिलाफ बगावत चरम पर है. पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था इतनी चरमराई हुई है कि, सेना को रसद-पानी उपलब्ध कराना भी उनके लिए संभव नहीं है. वर्ल्ड में इस समय हालात ऐसे हैं कि, कोई भी देश पाकिस्तान की मदद के लिए आगे आने को तैयार नहीं है.

यहां तक कि, प्रायोजित आतंकवाद के स्पष्ट प्रमाणों के बाद इस्लामिक देश भी पाकिस्तान के साथ खड़े होने को अपना अपमान समझते हैं. जो इस्लामिक देश भारत के पीएम नरेंद्र मोदी को अपने देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान देने में गौरव महसूस करते हैं, वही इस्लामिक देश पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को सामान्य शिष्टाचार में भी उतना महत्व नहीं देते.

पाकिस्तान में सेना और आईएसआई ही सरकार चलाती है. राजनीतिज्ञ तो वहां मोहरा होते हैं. सेना ही आतंकवादियों को प्रशिक्षित करती है. आतंकवादी गुटों को सेना ही पालती है. सेना में भ्रष्टाचार पाकिस्तान की हकीकत बना हुआ है. भारतीय सेना का मुकाबला करने के लिए वहां की सेना सक्षम ही नहीं है.

पाकिस्तान हमेशा प्रोपेगंडा और फर्जी जिहाद का सहारा लेता है. भारत जहां चांद के दक्षिणी ध्रुव पर अपना मिशन भेजने में कामयाब हुआ है. वहीं पाकिस्तान अपने राष्ट के झंडे पर ही चाँद को देखकर संतुष्ट होने पर मजबूर है.

पाकिस्तान का भूगोल एक बार फिर बदलने वाला है. भारत की सैन्य और डिप्लोमेटिक ताकत पाकिस्तान से कई गुना ज्यादा है. भारत का हौसला तो पिछले वर्षों में बुलंदियों पर पहुंचा है. पहलगाम आतंकी हमले ने उन बुलंदियों को ललकारा है. भारत का मैसेज और एक्शन तो अब तक चलता रहेगा जब तक या तो आतंक रहेगा या फिर पाकिस्तान.

पीएम मोदी के पास देश के भरोसे का मेंडेड है. वह भारत के पहले लीडर है, जिन्हें देश ने पीएम उम्मीदवार के रूप में जनादेश ने चुना है. साजिशें और षड्यंत्र के मुकाबले के लिए तो मोदी से मुफीद व्यक्ति कोई हो नहीं सकता. मोदी के जिस हौसले और प्रतिबद्धता पर देश को भरोसा है. उसको साबित करने का मौका आ गया है.भारत जीतेगा इसमें कोई दोराय नहीं है. एक्शन की स्वतंत्रता और चौतरफा पाकिस्तान को सबक सिखाने की क्षमता, भारत सरकार के लिए जरूरी मंत्र होगी. मोदी जिस विचारधारा को लीड कर रहे हैं, उस विचारधारा के लिए यह मोड निर्णायक है. पाकिस्तान ने उसी विचारधारा पर हमला किया है. भारत की सहिष्णुता पर हमला किया है. आतंकवादियों ने धर्म के नाम पर अधर्म किया है. किसी देश के जीवन में ऐसे अवसर लम्बी छलांग के अवसर साबित होते हैं. भारत के ब्रह्मास्त्र से उसके दुश्मनों का सिर कलम होना सुनिश्चित है. जो करके दिखाएगा वही राष्ट नायक कहलाएगा.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईटः dainiksandhyaprakash.in

शिवपुरी हादसा : फाइटर जेट से गिरी भारी चीज से मकान ध्वस्त, मांगी माफी, जांच शुरू

शिवपुरी। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के पिछोर कस्बे में शुक्रवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। टीचर मनोज सगर के घर पर अचानक एक भारी वस्तु गिरने से मकान ध्वस्त हो गया। घटना ठाकुर बाबा कॉलोनी में हुई, जहां अचानक तेज आवाज सुनकर इलाके के लोग घरों से बाहर निकल आए।

हादसे के समय मकान में मौजूद थे परिवारजन

हादसे के वक्त मकान मालिक मनोज सगर अपने परिवार के साथ भोजन कर रहे थे। उन्होंने बताया कि जैसे ही ऊपर से वायुयान की आवाज आई, वैसे ही अचानक किसी भारी वस्तु के गिरने से पूरा घर हिल गया और देखते ही देखते मकान जमींदोज हो गया। सौभाग्य से इस हादसे में किसी की जान नहीं गई। केवल उनकी पत्नी को मामूली चोट आई है।

शिवपुरी के पिछोर में लोग बोले- फाइटर प्लेन से गिरी वस्तु से मकान के दो कमरे गिरे, 8 फीट गहरा गड्ढा हुआ

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे से ठीक पहले एक वायुयान मकान के ऊपर से उड़ता हुआ नजर आया था। पिछोर क्षेत्र ग्वालियर एयरबेस के नजदीक है, जहां अक्सर वायुसेना के लड़ाकू विमान अभ्यास करते हैं। हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले के बाद वायुसेना द्वारा युद्धाभ्यास की गतिविधियां भी तेज कर दी गई हैं। ऐसे में स्थानीय लोगों को आशंका है कि मकान पर गिरी वस्तु वायुसेना के विमान से जुड़ी हो सकती है।

वायुसेना ने जताया खेद, शुरू की जांच

भारतीय वायुसेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %ङ्ग% (पूर्व ट्विटर) पर पोस्ट कर बताया कि शिवपुरी के पास भारतीय वायुसेना के विमान से गैर-विस्फोटक एरियल स्टोर के अनजाने में गिर जाने के कारण जमीन पर संपत्ति को नुकसान हुआ है। वायुसेना ने इस घटना पर खेद व्यक्त किया और मामले की गहन जांच शुरू कर दी है।

भारतीय वायुसेना का बयान: भारतीय वायुसेना इस घटना के लिए खेद व्यक्त करती है और जांच शुरू कर दी गई है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।÷

प्रशासनिक कार्रवाई : पिछोर के एसडीओपी प्रशांत शर्मा ने जानकारी दी कि मकान पर गिरा पार्टिकल भारी था और यह किसी वायुयान से गिरा हो सकता है। मामले की जांच जारी है और ग्वालियर एयरबेस से संपर्क साधा गया है। वायुसेना की टीम जल्द मौके पर पहुंचकर गिरी हुई वस्तु की पहचान और जांच करेगी।

कलेक्टर तथा एसपी ने बाल विवाह रोकने जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत जिले में नागरिकों को बाल विवाह नहीं कराने के प्रति जागरूक करने के लिए शुक्रवार को कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा, पुलिस अधीक्षक पंकज पाण्डे तथा जिला पंचायत सदस्य राजेन्द्र बघेल द्वारा जागरूकता रथ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। एक्सेस टू जस्टिस प्रोग्राम की जिले में सहयोगी संस्था कृषक सहयोग संस्थान द्वारा तैयार कराया गया यह जागरूकता रथ जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर नागरिकों को बाल विवाह के दुष्परिणामों तथा बाल विवाह कराने पर होने वाली कानूनी कार्रवाई के बारे में जानकारी प्रदान करेगा। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने कहा कि बाल विवाह अब सिर्फ सामाजिक बुराई नहीं कानूनन अपराध भी है। यह रथ बाल विवाह के कानूनी और सामाजिक दुष्परिणामों की जानकारियां देकर लोगों को जागरूक करेगा। पुलिस अधीक्षक पंकज पाण्डे ने कहा कि बाल विवाह कराने या बाल विवाह में शामिल होने पर दो साल की सजा या एक लाख रु जुर्माना हो सकता है। यदि कहीं बाल विवाह होने की संभावना या सूचना प्राप्त हो तो प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस या चाईल्ड लाइन नम्बर पर जानकारी दी जा सकती है। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार, कृषक सहयोग संस्थान के निदेशक डॉ एचबी सेन भी उपस्थित रहे।

29 सहकारी संस्थाओं को सहायक रजिस्ट्रार कार्यालय से नोटिस जारी

मंडला। कार्यालय सहायक रजिस्ट्रार सहकारी संस्थाएं मंडला से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में पूर्व में संचालित 29 सहकारी संस्थाओं को प्रथम दृष्टया अकार्यशील तथा निष्क्रीय मानकर परीसमापन में लाने के लिए नोटिस जारी किए गए हैं। इन संस्थाओं द्वारा गठन के उद्देश्यों के अनुरूप कार्य नहीं किया जा रहा है, इसके साथ ही संचालक मंडल ने संस्था का निर्वाचन समयावधि में नहीं कराया। संस्थाओं द्वारा सहकारी अधिनियम, नियम तथा पंजीकृत उपविधि का पालन भी नहीं किया जा रहा है।

पहलगाम आतंकी हमले का जिला भाजपा ने कैंडिल जलाकर किया विरोध

छतरपुर। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में आज दिनांक 25 अप्रैल को शाम 07बजे पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में केंडिल जलाकर विरोध करते हुए हमले में शहीद हुए लोगों को श्रद्धांजलि दी गई। विरोध प्रदर्शन में भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधायक श्रीमती ललिता यादव जिला अध्यक्ष चंद्रभान सिंह गौतम वरिष्ठ नेता जयराम चतुर्वेदी जिला महामंत्री सुरेन्द्र चौरसिया नगर पालिका उपाध्यक्ष मिंटू पंडा जिला उपाध्यक्ष अशोक दुबे जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि शशिकांत अग्निहोत्री जिला मंत्री कमलेश राय कोषाध्यक्ष विवेक उप्पल मीडिया प्रभारी अरविन्द बुंदेला कार्यालय मंत्री अरविन्द त्रिपाठी महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष उर्मिला साहू युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष नीरज चतुर्वेदी प्रदीप सक्सेना अमित गोस्वामी पुष्पेन्द्र द्विवेदी विवेक जैन धीरज गुप्ता नरेन्द्र यादव अनुज सिंह जयराम दुवे सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अल्पसंख्यक कांग्रेस व जमीयत उलेमा ए हिंद के नेतृत्व में पुतला दहन किया

आष्टा। अल्पसंख्यक कांग्रेस व जमीयत उलेमा ए हिंद के नेतृत्व में आतंकवाद का विरोध कर पुतला दहन किया गया जिसमें मुख्य रूप से आतंकवाद मुर्दाबाद पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए गए सभी ने विरोध में दो शब्द कहे प्रमुख रूप से तोसिफ उद्दीन जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक कांग्रेस शहरयार चांद मियां जिलाअध्यक्ष जमीअत उलमा हिंद जाहिद गुड्डू शहर कांग्रेस अध्यक्ष फैज़ उद्दीन जिला अध्यक्ष खेल प्रकोष्ठ नवाब बेरी तहसील अध्यक्ष मुस्लिम त्योहार कमेटी खालिद पठान पूर्व उपाध्यक्ष न पा शेख रईस पार्षद प्रतिनिधि भैया एमपी पूर्व कार्यकारी ब्लॉक अध्यक्ष रिज़वान माहिर यूथ कांग्रेस मुबारिक उद्दीन, असलम भाई आज़मभाई, अरबाज़ भाई, भाई शेख, रिज़वान, नसीर खान वा तमाम मुस्लिम समुदाय उपस्थित रहा

लोधी समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन में शामिल हुए मंत्री प्रहलाद पटेल

नरसिंहगढ़। मध्य प्रदेश सरकार के पंचायत ग्रामीण एवं श्रम कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल नेजो 57 जोड़े आज अपने विवाह बंधन में बंधे हैं, उन्हें शुभकामनाएँ दी। वे अपने परिवार और समाज का नाम रोशन करें ! सनातन की ध्वजा लेकर प्रदेश एवं देश का नाम रोशन करें। आज जिला राजगढ़, तहसील नरसिंहगढ़ (ब्यावरा) के बड़ोदिया जागीर में माँ विंध्यवासिनी बड़ली माता मंदिर में लोधा (लववंशी) समाज द्वारा आयोजित आदर्श निःशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन में 57 कन्याओं के सामूहिक विवाह समारोह में उपस्थित होकर नवदम्पतियों को खुशहाल जीवन के लिए बधाई व शुभकामनाएँ दीं।

एमपी में सुरक्षाबलों की बड़ी कार्रवाई, 62 लाख की इनामी 4 खूंखार महिला नक्सली ढेर

बालाघाट। मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले से एक बड़ी खबर सामने आई है। सुरक्षाबलों ने कान्हा नेशनल पार्क के सुपखार वन रेंज में चलाए गए एक विशेष ऑपरेशन में 4 महिला नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराया। इन सभी पर कुल मिलाकर 62 लाख रुपए का इनाम घोषित था।

बालाघाट के पुलिस अधीक्षक नागेंद्र कुमार सिंह ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि यह सफलता एक सुनियोजित अभियान के तहत मिली है। मारे गए नक्सलियों के पास से हथियार और महत्वपूर्ण दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं। सुरक्षाबलों को गुप्त सूचना मिली थी कि सुपखार वन रेंज में कुछ नक्सली सक्रिय हैं। इसी के आधार पर एक ऑपरेशन चलाया गया, जिसमें 4 महिला नक्सलियों को मार गिराया गया। उन्होंने आगे कहा कि इन नक्सलियों पर पहले से बड़े-बड़े इनाम घोषित थे और ये लंबे समय से कई नक्सली वारदातों में सक्रिय थीं। एसपी नागेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि बालाघाट समेत पूरे मध्य प्रदेश में नक्सलियों के खिलाफ अभियान में तेजी लाई गई है। पिछले कुछ महीनों में राज्य में नक्सल प्रभावित इलाकों में कई सफलताएं मिली हैं। सुरक्षाबलों की मुस्तैदी के कारण नक्सली संगठन अब बैकफुट पर आ गए हैं। देश के अन्य नक्सल प्रभावित राज्यों जैसे छत्तीसगढ़, झारखंड, महाराष्ट्र और ओडिशा में भी सुरक्षाबलों के अभियान ने नक्सलियों की कमर तोड़ दी है। कई नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे हैं, जबकि कई मुठभेड़ में मारे जा रहे हैं। सरकार की नीतियां और सुरक्षाबलों की लगातार कार्रवाइयों से नक्सलवाद अब सिकुड़ता नजर आ रहा है।

आतंकवादियों के खिलाफ व्यापार महासंघ ने नगर बंद कर किया विरोध प्रदर्शन

आष्टा। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में व्यापार महासंघ के आग्रह पर संपूर्ण नगर पूर्णतः बंद रहा। मंडी गेट से प्रारंभ हुआ बंद प्रदर्शन नगर के प्रमुख मार्गो से होता हुआ बड़ा बाजार पहुंचा जहां पाकिस्तान एवं आंतकवादियों का पुतला दहन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान के झंडे और पुतले जलाकर आतंकवाद को लेकर अपना गुस्सा जाहिर किया एवं हमले में मृत हुए लोगों के प्रति सभी उपस्थितजनों ने अपनी संवेदनाएं व्यक्त की।

बड़ा बाजार में हुए पुतला दहन के पश्चात् विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने हमले का क?ा विरोध व्यक्त करते हुए कहा कि पहलगाम आतंकी हमले पर हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान को दो टूक शब्दों में जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि आंतकवादियों ने लोगों पर नही भारत की आत्मा पर हमला किया है। नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवा?ा ने हमारा देश जो कि एक धार्मिक प्रवृत्ति का देश है, अहिंसा का देश है और जीव दया का देश है। व्यापार महासंघ के अध्यक्ष रूपेश राठौर ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि पहलगाम आतंकी हमले को लेकर पूरे देश में गुस्सा है। आतंकियों ने जिस तरह अपनी फैमिली के साथ छुट्टी मनाने गए लोगों को निशाना बनाया, गोलियों से भून डाला, उससे पूरे देश में उबाल है। लोग आतंकियों के खिलाफ पहले से भी बढ़े और निर्णायक एक्शन की मांग भारत सरकार से कर रहे हैं। व्यापार महासंघ द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन में प्रमुख रूप से विधायक गोपालसिंह इंजीनियर, नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाढ़ा, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष प्रतिनिधि विशाल चैरसिया, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी सुशील संचेती, पार्षद रवि शर्मा, हिउस अध्यक्ष कालू भट्ट, शेलू मेहता सहित बड़ी संख्या में नगरवासीगण मौजूद थे।

कलेक्टर के आदेश का नगर पालिका और पुलिस 14 दिन बीतने बाद भी नहीं करा पाई पालन

जनता के साथ फर्जीवाड़ा करने वाले 27 अवैध कॉलोनाइजरों पर होनी है एफआईआर , भूमि माफियों के आगे बेबस प्रशासन

सिरोंज । जनता जनार्दन के साथ धोखाधड़ी करने वालों अवैध कॉलोनी नाइजरों पर प्रकरण दर्ज करवाने के लिए कलेक्टर नगर पालिका सीएमओ को पत्र भेजा था जिसको 15 दिन गुजरने के बाद भी नगर पालिका इन पर मामला दर्ज नहीं करवा पाई है या फिर कहे इन्हें कलेक्टर के आदेश की इन्हें कोई चिंता नहीं है तभी तो आवेदन देख खाना पूर्ति कर दी आगे कार्रवाई हुई या नहीं उस पर ध्यान देना भी उचित नहीं समझा वही पुलिस ने भी दस्तावेजों का बहाना बनाकर मामला दर्ज नहीं किया या फ़िर भूमाफियाओं को बचाने में लगे हुए हैं । अवैध रूप से कॉलोनीकाटने वाले आम जनता के साथ सरकार को भी चूना लगा रहे हैं। यह सब स्थानीय प्रशासन मिली भगत का नतीजा है कार्रवाई करने की जगह पर इनको उल्टा संरक्षण देने में लगी हुई जब कलेक्टर के आदेश पर ही नगर पालिका प्रशासन और पुलिस मामला दर्ज कार्रवाई नहीं कर पा रही है । जैसे ही तत्कालीन कलेक्टर रोशनसिंह ने अबैध रूप से कालोनी काटने वालों कड़ी कार्रवाई करने के संकेत दिए थे । इनमें हड़कंप मच गया था उनके जाते ही भू माफिया फिर सक्रिय हो गए हैं। प्रकरण दर्ज करवाने वाला मामला भी ठंडा बस्ते में जाता हुआ नजर आ रह है। जिनके कंधों पर कार्रवाई की जिम्मेदारी कलेक्टर ने सोपी है वहां आवेदन देकर भूल गए हैं। पुलिस इनके के आवेदन पर क्या आगे कार्रवाई की या नहीं उसकी जानकारी जुटाना भी है इन्होंने जरूरी नहीं समझ रहा है। अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों पर मामला दर्ज नहीं करवाया चाहते हैं तभी तो बिना दस्तावेजों के कलेक्टर का पत्र लगाकर नगर पालिका के अधिकारी भूल गए पुलिस के द्वारा दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए नगर पालिका को पत्राचार किया है उसका भी नगर पालिका से कोई जवाब पुलिस के पास नहीं पहुंचा है इस वजह से पुलिस आगे कार्रवाई करने में अपने आप को असमर्थ बता रही है । यदि पुलिस प्रशासन चाहे तो सूची के हिसाब से कार्रवाई कर सकती है लेकिन यह भी नहीं कर रहे हैं।

कलेक्टर के बदलते ही अधिकारी हुए ठंडे

लंबी मेहनत करने बाद कलेक्टर रोशन सिंह अवैध कालोनी काटने वालों पर कार्रवाई की पूरी तैयारी कर गए उसको आगे बढ़ाने जिम्मेदारी तत्कालीन कलेक्टर अंशुल गुप्ता की है। लेकिन यह इस मामले में रुचि दिखाएंगे या नहीं यह तो आने वाले समय में ही पता चलेगा अभी तो अवैध रूप से कॉलोनी काटने वाले जरूर खुश नजर आ रहे हैं अवैध कॉलोनी वालों की फाइल पूरी तरह से रुक गई है।इन पर एफआईआर हो जाती पर कलेक्टर बदलते ही मामला ठंडा बस्ते डाल दिया गया है नगर पालिका परिषद के अधिकारी और पुलिस भी इसको गंभीरता से नहीं ले रही है वहीं देखना है कि कलेक्टर जनता को न्याय दिलाने के लिए अवैध रूप से कॉलोनी काटकर उनके साथ धोखाधड़ी करने वाले अवैध रूप से कॉलोनी काटने वाले पर प्रकरण दर्ज करवा पाएंगे या फिर मामले को दफा रफा हो जाएगा और भू माफिया कि तरह बल्ले बल्ले होती रहेगी।

भूमाफियाओं के आगे बेबस प्रशासन

जनता के साथ खुलेआम गोलमाल करने वाले भूमाफियाओं पर कार्रवाई करने की जगह पर प्रशासन के अधिकांश अधिकारी उनको संरक्षण देने में लगे हुए इसी वजह से अवैध कॉलोनी की संख्या डेढ़ सौ के करीब पहुंच गई है। यह स्थानीय अधिकारियों को गंभीरता से ही नहीं लेते हैं। वह शिकायतों को भी स्थानीय अधिकारी कर भाई के नाम पर औपचारिकता पूरी करतेहैं। आम की आवाज को प्रदेश टुडे ने प्रमुखता से प्रकाशित किया देशके बाद तत्कालीन कलेक्टर रोशन सिंह ने अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों पर शिकंजा करते हुए एफआईआर करवाने की फाइल को आगे बढ़ाया दिया था। उनके जाते ही मामला शांत हो गया है। प्रदेश टुडे आम जनता की आवाज किसी तरह बुलंद करता रहेगा।

इनका कहना है

बिना दस्तावेज के आवेदन पत्र नगर पालिका ने दिया है हमने दस्तावेज के लिए नगर पालिका को लिखा है जैसे ही दस्तावेज मिलेंगे हम कार्रवाई करेंगे। उमेश कुमार तिवारी एसडीओपी इस मामले को मैं दिखवाता हूं आगे कार्रवाई क्यों नहीं हुई है हम करवाई करवाएंगे।

अंशुल गुप्ता कलेक्टर

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को अब तबादले के लिए ऑनलाइन अर्जी देना होगी

भोपाल। अधिकारियों और कर्मचारियों को आवेदन करने के लिए कहीं जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। वे मॉड्यूल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग में 45 हजार से अधिक अधिकारी-कर्मचारी हैं, उन्हें लाभ मिल सकेगा। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग में तबादलों के लिए अब ऑनलाइन प्रक्रिया अपनाई जाएगी। इसके लिए विभाग ने मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली मॉड्यूल (ई-एचआरएमएस) तैयार कराया है। यह मॉड्यूल मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन ने बनाया है।

नई तबादला नीति आने के बाद इसे उसके अनुरूप अपडेट करने के बाद शुरू किया जाएगा। इसमें विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों को आवेदन करने के लिए कहीं जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। वे मॉड्यूल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। विभाग में अभी 45 हजार से अधिक अधिकारी-कर्मचारी हैं, उन्हें लाभ मिल सकेगा।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में ई-एचआरएमएस की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मॉड्यूल मध्यप्रदेश सरकार की नई स्थानांतरण नीति के सिद्धांतों एवं प्राथमिकताओं के अनुरूप हो। उन्होंने कहा कि स्थानांतरण नीति का पूरी तरह पालन सुनिश्चित करते हुए प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और निष्पक्ष बनाया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि मॉड्यूल में सभी आवश्यक मापदंडों का समावेश इस तरह से किया जाए कि किसी भी कर्मचारी को अनावश्यक कठिनाई का सामना न करना पड़े।

समय सीमा में प्रक्रिया पूर्ण करें

प्रदेश में कर्मचारियों के स्थानांतरण पर लागू प्रतिबंध अगले संभवत- 1 से 30 मई के बीच हटाया जाएगा। डिप्टी सीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इसी समयावधि को ध्यान में रखते हुए ई-एचआरएमएस मॉड्यूल की अंतिम टेस्टिंग पूरी करें। ताकि प्रतिबंध हटते ही स्थानांतरण प्रक्रिया बिना किसी बाधा के सुगमता और पारदर्शिता के साथ संचालित की जा सके।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मॉड्यूल से तबादलों की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता आएगी और कर्मचारियों को भी परेशानी नहीं होगी। बैठक में आयुक्त स्वास्थ्य तरुण राठी, विभागीय अधिकारी, एमपीएसईडीसी के तकनीकी टीम के सदस्य मौजूद थे।

मप्र में यहां केरल मॉडल पर बनेगा नेचुरोपैथी हॉस्पिटल, स्वास्थ्य पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

खजुराहो । खजुराहो के नजदीक स्थित खर्रोही हल्का में 25 एकड़ भूमि पर एक अत्याधुनिक 100 बिस्तरों वाला नेचुरोपैथी एवं योग चिकित्सालय बनने जा रहा है। यह संस्थान प्राकृतिक चिकित्सा, योग और आयुर्वेदिक उपचारों का अनोखा संगम होगा, जो केरल मॉडल पर आधारित होगा। इस परियोजना से न केवल स्वास्थ्य पर्यटन को नई दिशा मिलेगी, बल्कि खजुराहो की पहचान भी एक 'हेल्थ डेस्टिनेशन' के रूप में स्थापित होगी।

इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए मध्यप्रदेश सरकार ने वर्ष 2021 में भूमि आवंटित की थी। सांसद वीडी शर्मा की पहल पर यह योजना अस्तित्व में आई और आयुष विभाग ने इसे केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद को प्रस्तावित किया। अब जबकि सभी तैयारियां पूर्ण हो चुकी हैं, जल्द ही भूमिपूजन के साथ इसका निर्माण कार्य प्रारंभ हो जाएगा।

प्राकृतिक तरीके से मिलेगा उपचार: इस चिकित्सालय में प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेदिक पंचकर्म, योग, ध्यान, और डिटॉक्स थेरेपी जैसी सेवाएं कुशल विशेषज्ञों द्वारा प्रदान की जाएंगी। 15 से 30 दिनों तक चलने वाले विशेष चिकित्सा कोर्स, खासतौर पर उन लोगों के लिए होंगे जो तनावमुक्त जीवन और बेहतर स्वास्थ्य की तलाश में खजुराहो का रुख करते हैं।

स्वास्थ्य पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा: खजुराहो पहले से ही अपनी ऐतिहासिक विरासत और वाइल्डलाइफ के लिए विश्वविख्यात है। अब इस नेचुरोपैथी संस्थान के माध्यम से यह शहर स्वास्थ्य पर्यटन का भी एक प्रमुख केंद्र बन जाएगा। विदेशी और देशी पर्यटक यहां ना सिर्फ पर्यटन का आनंद लेंगे, बल्कि प्राकृतिक उपचार से अपने स्वास्थ्य को भी निखार सकेंगे।

स्थानीय युवाओं को मिलेगा नया अवसर: इस परियोजना से खजुराहो के युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। होटल, रेस्टोरेंट, ट्रैवल एजेंसियों और हस्तशिल्प से जुड़े स्थानीय व्यवसायों को भी प्रत्यक्ष लाभ होगा। यह संस्थान ना केवल स्वास्थ्य सेवा का केंद्र बनेगा, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती देगा।

क्या होते हैं नेचुरोपैथी चिकित्सालय ?: नेचुरोपैथी चिकित्सालय एक ऐसा इलाज केंद्र होता है जहां रोगों का उपचार दवाओं के बजाय पूरी तरह प्राकृतिक उपायों से किया जाता है। यहां मरीजों को संतुलित आहार, योग, ध्यान, जल और मिट्टी चिकित्सा, मसाज, स्टीम बाथ और डिटॉक्स जैसी तकनीकों के माध्यम से शरीर की प्राकृतिक शक्ति को बढ़ाकर स्वस्थ किया जाता है।

न्यायालय तहसीदार वृत्त-3 तहसील - हुजूर जिला भोपाल

प्रकरण क्रमांक- 188/अ-12/2024-25

मौजा-सरवर

उद्घोषणा पत्र

एतद् द्वारा सर्वे साधारण को सूचित किया जाता है। कि आवेदक सुशीलाबाई पत्नी परसराम ग्राम सरवर तह. हुजूर भोपाल म. प्र. ने द्वारा म.प्र. भू. राजस्व संहिता 1959 की धारा 129 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सीमांकन पत्र के आधार पर भूमि खसरा क्रमांक 621,673,677,669 रकबा 0.1600, 0.4600 0.3000, 0.1200 स्थित ग्राम सखा प.ह.न. तहसील हुजूर जिला भोपाल का सीमांकन दिनांक 11.02.2025 किया गया है। सीमांकन की पुष्टि हेतु न्यायालय में प्राप्त उक्त संबंध में किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रकरण में नियत पेशी दिनांक 07.05.2025 को या इससे पूर्व इस न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकता है।

समयावधि पश्चात् प्रस्तुत आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। उद्घोषणा पत्र मेरे द्वारा न्यायालय की पदमुद्रा एंव मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक 25/04/25 को जारी किया गया।

तहसीलदार
तहसील हूजुर भोपाल

पब्लिक सेक्टर लाइटिंग के लिए फोकस लाइटिंग ऐंड फिक्चर्स एस.ओ.आर. में शामिल

मुंबई, एजेंसी। फोकस लाइटिंग ऐंड फिक्चर्स लिमिटेड (एनएसई - एफओसीयूएस), जो एलईडी लाइट्स और फिक्चर्स के निर्माण और नया लाइटिंग समाधानों में अग्रणी है, को गुजरात सरकार के रोड्स ऐंड बिल्डिंग्स विभाग के इलेक्ट्रिकल विंग द्वारा वित्तीय वर्ष 2025- के लिए पैनल में शामिल किया गया है। यह पैनल में शामिल किया जाना विभाग की शेड्यूल आफ रेट्स (एस.ओ.आर.) समीक्षा समिति द्वारा गहन मूल्यांकन के बाद हुआ है, जिसने कंपनी की योग्यता की पुष्टि की है कि वह विभिन्न सरकारी परियोजनाओं के लिए प्रकाश समाधान प्रदान कर सकती है, यह मान्यता 31 मार्च, 2026 तक प्रभावी रहेगी। प्लस लाइट टेक और ट्रिक्स ब्रांड के अंतर्गत प्रस्तुत उत्पादों में इनडोर और आउटडोर दोनों प्रकार की लाइटिंग फिटिंग्स शामिल हैं, जो सभी आवश्यक तकनीकी मानकों का पूर्ण रूप से पालन करते हैं। सभी उत्पाद को इस सूची में शामिल करने से पहले एक विस्तृत अनुमोदन प्रक्रिया से गुजारा गया है। इस रचनात्मक मान्यता के साथ, कंपनी को सरकारी प्रकाश परियोजनाओं में अपनी विशेषज्ञता और गुणवत्ता का योगदान देने का अवसर प्राप्त हुआ है। कंपनी के उत्पादों को श्रेणी-तृतीय में वर्गीकृत किया गया है, जिससे ये अब विभिन्न सरकारी अवसंरचना परियोजनाओं में उपयोग के लिए पात्र हो गए हैं।

उमा एक्सपोर्ट्स ने नवी मुंबई में नया पल्स यूनिट स्थापित कर प्रसंस्करण क्षमता बढ़ाई

मुंबई, एजेंसी। उमा एक्सपोर्ट्स लिमिटेड कृषि-व्यापार में अग्रणी कंपनियों में से एक, ने नवी मुंबई में अपनी लीज़ पर ली गई सुविधा में पल्स निर्माण संचालन की शुरुआत की घोषणा की। नए संयंत्र ने अपनी ट्रायल रन सफलतापूर्वक पूरी कर ली है और अब यह पूरी तरह से संचालन में है, जिससे उत्पादन क्षमता में 36,000 एमटीपीए की वृद्धि हुई है। यह विकास कंपनी की रणनीतिक दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो केवल व्यापार से आगे बढ़कर मूल्यवर्धित निर्माण की ओर अग्रसर हो रही है।यह नया उद्यम पूरी तरह से आंतरिक संचित निधियों द्वारा वित्तपोषित किया गया है, जिससे कोई बाहरी निवेश की आवश्यकता नहीं है, और यह कंपनी के दीर्घकालिक दृष्टिकोण से मेल खाता है, जो प्रसंस्कृत दालों की बढ़ती घरेलू मांग को पूरा करने पर केंद्रित है। यह रणनीतिक कदम कंपनी का प्रसंस्करण क्षेत्र में पहला कदम है, जो पारंपरिक व्यापार-आधारित व्यापार मॉडल में विविधता ला रहा है। इस संयंत्र से एफवाय26 की चौथी तिमाही तक कंपनी के राजस्व में महत्वपूर्ण योगदान की उम्मीद है।व्यापार से प्रसंस्करण की ओर यह संक्रमण उमा एक्सपोर्ट्स लिमिटेड के बड़े दृष्टिकोण का हिस्सा है, जिसने कृषि उत्पादों के बी2बी व्यापार में एक मजबूत प्रतिष्ठा बनाई है। उमा एक्सपोर्ट्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री राखेश खेमका ने कहा, नवी मुंबई में हमारे पल्स प्रसंस्करण यूनिट की 36,000 एमटीपीए क्षमता के साथ शुरुआत, हमारे एकीकृत संचालन की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है।

हर क्लिक में विश्वासः ई-कॉमर्स धोखाधड़ी से निपटने के लिए अमेजन की बहु-स्तरीय रणनीति

मुंबई, एजेंसी। भारत के व्यस्त बाज़ार में धोखाधड़ी और दुरुपयोग का बढ़ना तेजी से चिंता का कारण बनता जा रहा है। जैसे-जैसे ऑनलाइन शॉपिंग कार्ट्स भरते जा रहे हैं, अमेजन एक सतर्क प्रहरी के रूप में खड़ा है, जो अपने पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा के लिए अत्याधुनिक रणनीतियाँ अपना रहा है। वृद्धि के साथ-साथ चुनौतियाँ भी बढ़ी हैं। सोशल मीडिया, ई-कॉमर्स, एंटरप्राइज और फिनटेक प्लेटफार्मों पर धोखाधड़ी की गतिविधियाँ पिछले कुछ वर्षों में देश में काफी बढ़ गई हैं। हाल ही में पीडब्ल्यूसी इंडिया की रिपोर्ट ने यह चौंकाने वाला तथ्य सामने रखा कि 57 प्रतिशत घटनाएँ इन प्लेटफार्मों से जुड़ी धोखाधड़ी से संबंधित हैं। यह धोखाधड़ी विभिन्न रूपों में प्रकट होती है, जिसे सिस्टम में कुछ बुरे तत्वों द्वारा बढ़ावा दिया जाता है।

टेक महिन्द्रा का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2024-25 में 80.3 प्रतिशत बढ़कर 4,252 करोड़ रुपये पहुंचा

मुंबई, एजेंसी। सभी उद्योगों में उपक्रमों को टेक्नोलॉजी परामर्श और डिजिटल सॉल्यूशंस उपलब्ध कराने वाली विश्व की अग्रणी कंपनी टेक महिन्द्रा ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त हुई तिमाही के लिए अंकेक्षित समेकित वित्तीय नतीजों की घोषणा की है। टेक महिन्द्रा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक मोहित जोशी ने कहा, इस वर्ष हमने हमारी परिवर्तन यात्रा के लिए एक मजबूत नींव डाली। हमारे लोगों, नेतृत्व और क्षमताओं में रणनीतिक निवेश के जरिए हमने हमारे रणनीतिक रोडमैप में तेजी लाने के लिए अपनी स्थिति मजबूत की है। 2.7 अरब डॉलर का सौदा हासिल होना साल दर साल 42 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है और यह हमारे ग्राहकों के साथ हमारी साझीदारी की गहराई का एक स्पष्ट प्रमाण है।टेक महिन्द्रा के मुख्य वित्तीय अधिकारी रोहित आनंद ने कहा, इस वर्ष, हमने मजबूत क्रियान्वयन, परिचालन क्षमता का उपयोग और लागत प्रबंधन के जरिए परिचालन लाभ में 60 प्रतिशत की शानदार वृद्धि हासिल की है। हमने प्रति शेयर लाभांश 12.5 प्रतिशत बढ़ा दिया है और शेयरधारकों को मुक्त नकदी प्रवाह का 85 प्रतिशत लौटाया है जोकि पूंजी आबंटन नीति को लेकर हमारी प्रतिबद्धता परिलक्षित करता है।

ओरा की भव्य ज्वेलरी के साथ मनाईये अक्षय तृतीया और एनिवर्सरी सेल की खुशी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय संस्कृति में अक्षय तृतीया का बहुत महत्व है। कोई भी नया कार्य या उद्यम शुरू करने के लिए इस दिन को शुभ माना जाता है। इस दिन विशेषकर सोने और ज्वेलरी में निवेश किया जाता है। समृद्धि और सौभाग्य का प्रतीक यह उत्सव गहरा सांस्कृतिक महत्व रखता है। वहीं ओरा की एनिवर्सरी सेल ने इस त्योहार की खुशी को और ज्यादा बा दिया है क्योंकि इस सेल में ओरा द्वारा ग्राहकों को अक्षय तृतीय कलेक्शन पेश करके यह पारंपरिक उत्सव आधुनिक वैभव के साथ मनाने का मौका दिया जा रहा है। इन दोनों खुशियों ने पूरे देश में ज्वेलरी प्रेमियों को परंपरा और वैभव का जश्न मनाने का अवसर एक साथ दिया है। अक्षय तृतीया के लिए ज्वेलरी खरीदनी हो या फिर अपने प्रियजन को उपहार में देने के लिए, ओरा की एनिवर्सरी सेल में हर किसी के लिए विशेष कलेक्शन उपलब्ध है।

लाइन ओरिजिनल्स ने थाईलैंड में फॉच्यॅून फिएस्टा 2025 में अपने पार्टनर्स के साथ सफलता का जश्न मनाया

नई दिल्ली, एजेंसी। स्मार्ट गैजेट्स और ऑडियो प्रोडक्ट्स बनाने वाली कंपनी लाइन ओरिजिनल्स ने 15 से 19 अप्रैल तक थाईलैंड के डुसिट थानी रिज़ॉर्ट, पटाया में अपने खास चैनल पार्टनर प्रोग्राम 'फॉर्च्यून फिएस्टा 2025' का आयोजन किया। इसमें भारत के अलग-अलग हिस्सों से आए 600 से ज्यादा सुपर स्टॉकिस्ट्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स और रिटेलर्स ने हिस्सा लिया। ये सभी लोग कंपनी की 'चैप्टर 2.0 स्कीम' में अच्छा काम करने के लिए चुने गए थे। इस कार्यक्रम का मकसद अपने साथियों को सम्मान देना, आगे की योजना बताना और साथ मिलकर आगे बढ़ने का भरोसा मजबूत करना था। इस मौके पर मशहूर फिल्म अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह भी मौजूद रहीं और सभी मेहमानों को अपनी मौजूदगी से खुश किया।

भारत में ट्रकों और भारी वाहनों का होगा क्रैश टेस्ट, चालकों के लिए काम के घंटे भी होंगे तय

नई दिल्ली। सड़क सुरक्षा को मजबूत करने के लिए भारत सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। अब कारों की तरह ट्रकों और अन्य भारी वाणिज्यिक वाहनों का भी क्रैश टेस्ट अनिवार्य होगा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय जल्द ही इन वाहनों के लिए एक सुरक्षा रेटिंग प्रणाली शुरू करने की योजना बना रहा है। यह प्रणाली भारत एनसीएपी (न्यू कार एसेसमेंट प्रोग्राम) के मॉडल पर आधारित होगी, जिसे 2023 में शुरू किया गया था। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने ग्लोबल न्यू कार एसेसमेंट प्रोग्राम (जीएनसीएपी) और सड़क यातायात शिक्षा संस्थान (आईआरटीई) के एक कार्यक्रम में कहा, इस पहल का मुख्य लक्ष्य वाहन निर्माताओं को अपने उत्पादों की गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों को बेहतर करने के लिए प्रेरित करना है। इससे सड़कों पर वाहनों की सुरक्षा बढ़ेगी और दुर्घटनाओं में कमी आएगी।

सड़क दुर्घटनाओं का चिंताजनक आंकड़ा: गडकरी ने बताया कि भारत में हर साल करीब 4.8 लाख सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें 1.8 लाख लोग अपनी जान गंवाते हैं। यह आंकड़ा सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि सरकार सड़क सुरक्षा को अपनी प्राथमिकता मान रही है और इसके लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं।

ई-रिक्शा में सुरक्षा मानकों पर जोर

सरकार ई-रिक्शा के लिए भी सुरक्षा मानकों और मूल्यांकन प्रणाली पर काम कर रही है। ई-रिक्शा की सुरक्षा में सुधार से न केवल उनकी गुणवत्ता बढ़ेगी, बल्कि इससे रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। गडकरी ने कहा कि बैटरी चालित इन वाहनों में सुरक्षा संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

ट्रक चालकों के लिए काम के घंटे होंगे तय

सड़क सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए मंत्रालय ट्रक चालकों के काम के घंटों को नियंत्रित करने वाला कानून लाने पर विचार कर रहा है। वर्तमान में ट्रक चालक प्रतिदिन 13-14 घंटे तक वाहन चलाते हैं, जो थकान और दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण बनता है। इस कानून से चालकों की कार्य अवधि को सीमित किया जाएगा, जिससे सड़कें सुरक्षित होंगी।

लॉजिस्टिक लागत में कमी लाने का लक्ष्य

सरकार ने लॉजिस्टिक लागत को मौजूदा 14-16 प्रतिशत से घटाकर 9 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए सुरक्षित राजमार्गों का विस्तार, वाहन सुरक्षा को बढ़ावा देना और इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन देना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने 35,577 करोड़ का नया व्यवसाय प्रीमियम दर्ज किया

मुंबई, एजेंसी। देश की अग्रणी जीवन बीमा कंपनियों में से एक एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए 35,577 करोड़ रुपये का नया व्यवसाय प्रीमियम दर्ज किया, जबकि 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए यह 38,238 करोड़ रुपये था। 31 मार्च, 2024 को समाप्त पिछले वर्ष की तुलना में नियमित प्रीमियम में 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। सुरक्षा पर स्पष्ट ध्यान केंद्रित करते हुए, एसबीआई लाइफ का सुरक्षा नया व्यवसाय प्रीमियम 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए 4,095 करोड़ रुपये रहा। सुरक्षा व्यक्तिगत नया व्यवसाय प्रीमियम 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए 793 करोड़ रुपये रहा। व्यक्तिगत नया व्यवसाय प्रीमियम 31 मार्च, 2024 को समाप्त पिछले वर्ष की तुलना में 11 प्रतिशत वृद्धि के साथ 26,360 करोड़ रुपये रहा। 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए एसबीआई लाइफ का कर पश्चात लाभ 2,413 करोड़ रुपये रहेगा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 27 प्रतिशत की वृद्धि है। कंपनी का सॉल्वेंसी अनुपात 31 मार्च 2025 तक 1.96 पर मजबूत बना रहेगा, जबकि नियामक आवश्यकता 1.50 है।

डॉ. स्वाति चंदौरकर के उपन्यास वैदेही विद्रोह का लोकार्पण

भोपाल। विगत संध्या होटल कोर्टयार्ड बाय मेरियट में डॉ स्वाति चंदौरकर के उपन्यास वैदेही विद्रोह का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर निदेशक सप्रे संग्रहालय ने की। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मुख्य मंत्री, मध्यप्रदेश, दिग्विजय सिंह एवं उनकी लेखिका और पत्रकार पत्नी अमृता सिंह तथा सुप्रसिद्ध कवि कुमार विश्वास के बड़े भाई प्रो. विकास शर्मा, उपन्यासकार (मेरठ) भी मंचासीन रहे साथ ही इंद्रा प्रकाशन से रूपाली अग्रवाल भी अतिथि के रूप में मंचासीन रहीं। ज्ञातव्य हो कि उपन्यास वैदेही विद्रोह नारियों की समस्याओं और पीड़ाओं पर, उनके अधिकारों पर होते कुठाराघातों पर एक अन्वेषणपूर्ण कृति है। डॉ स्वाति चांदौरकर नरसिंहपुर महाविद्यालय में अंग्रेजी की प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष हैं परंतु उनका उपन्यास हिंदी में है। कार्यक्रम में सुरेश पटवा, चंद्रभान राही और पुरुषोत्तम तिवारी को आमंत्रण प्राप्त हुए थे। कार्यक्रम बहुत भव्य और गरिमापूर्ण रहा। विजयदत्त श्रीधर, प्रो. विकास शर्मा, एवं अमृता सिंह के उद्बोधन काफी प्रभावशाली रहे। समीक्षक की समीक्षा भी प्रभावी रही। कार्यक्रम के अंत में पहलगाम में हिंसा का शिकार हुई दिवंगत आत्माओं को विनम्र श्रद्धांजलि दे गई।

बीएसएफ को समर्पित पहली फिल्म 'ग्राउंड जीरो'

फिल्म समीक्षा

बेचारा 'सीरियल किसर' इमरान हाशमी ! बहुत दिनों के बाद तो ग्राउंड जीरो फिल्म लगी,इसमें तो किसिंग सीन ही नहीं है ! ऊपर से जब फिल्म लगी तब वह भी पहलगाम पर्यटक हमले के कारण नज़रअंदाज़ की जा रही है ! यह फिल्म कश्मीर में हिंसा, 2001में संसद भवन पर हुए हमले और 2002 के अक्षरधाम मंदिर हमले के मास्टरमाइंड, जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी गाजी बाबा को खत्म करने की कहानी है। यह पहली फिल्म है जिसमें बॉर्डर सिक्योरिटी फ़ोर्स (बीएसएफ) के जांबाज़ बहादुरों पर आधारित है। सच्ची घटनाओं से प्रेरित। इसका क्लाइमेक्स ज़बरदस्त है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों द्वारा आतंकवादी ठिकाने पर रात में की गई छापेमारी। इस फिल्म में इमरान हाशमी ने बीएसएफ कमांडेंट नरेंद्र नाथ धर दूबे की मुख्य भूमिका निभाई है, जिन्हें इस ऑपरेशन के लिए कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया था। फिल्म के कुछ डायलॉग वर्तमान में ज्यादा मौजूं हो गए हैं जैसे सिर्फ कश्मीर की ज़मीन हमारी है या वहां के लोग भी हमारे हैं?

-पहरेदारी बहुत हो गई, अब प्रहार होगा।

-आज रिस्क नहीं लेंगे, तो कल रिस्की हो जाएगा।

-कश्मीर में वर्दी का मतलब यह है कि मारेंगे तो गाली खाएंगे, नहीं मारेंगे तो गोली।

यह बीएसएफ की अनसुनी वीरता को सम्मान देती है। इमरान हाशमी का अभिनय शानदार है। तेजस देवस्कर का संयमित निर्देशन, और कश्मीर की यथार्थवादी पृष्ठभूमि इसके आकर्षण हैं। लेकिन कमजोर पटकथा, घिसे-पिटे ट्रॉप्स, और दृश्यों का दोहराव इसकी कमियां हैं। यह फिल्म राष्ट्रीय सुरक्षा और सैनिकों की कुर्बानी की याद दिलाती है। 'ग्राउंड जीरो' पहली प्रमुख बॉलीवुड फिल्म है जो पूरी तरह बीएसएफ पर केंद्रित है। इससे पहले, भारतीय सेना और पुलिस पर आधारित फिल्में जैसे 'उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक', 'बेबी', और 'शेरशाह' बन चुकी हैं, लेकिन बीएसएफ की कहानियां बड़े पर्दे पर अनदेखी रही हैं। बीएसएफ के जवानों और परिजनों के लिए यह अनिवार्य फिल्म है।

भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने दुबई में स्थित हिंदू मंदिर का दौरा किया, जो एकता और आपसी विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने बताया की इस मंदिर परिसर में गुरु ग्रंथ साहिब की उपस्थिति इस स्थल की समावेशी भावना को दर्शाती है, वहां आयोजित अरदास में भाग लेना एक गहरा और भावुक अनुभव था। राष्ट्रपति ने वहां की गर्मजोशी से स्वागत और भक्ति के लिए आभार व्यक्त किया।

समाचार और फोटो साभार इंदु डंग

भोपाल। प्रकाश नगर सिद्धेश्वरी दुर्गा मंदिर में आज से भागवत कथा प्रारंभ हो रही है इस अवसर पर दिव्य भव्य कलश यात्रा निकाली गयी ।

प्रेस्टीज होटल वेंचर्स लिमिटेड ने सेबी के समक्ष दायर किया डीआरएचपी

मुंबई, एजेंसी। प्रेस्टीज होटल वेंचर्स लिमिटेड, एक आतिथ्य परिसंपत्ति स्वामी और डेवलपर, जो भारत में व्यवसाय और अवकाश यात्रियों दोनों के लिए लक्जरी, अपर अपस्केल और अपर मिडस्केल आतिथ्य परिसंपत्तियों पर केंद्रित है, ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के साथ अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। आईपीओ में 5 रुपये अंकित मूल्य के इक्विटी शेयरों का एक नया इश्यू शामिल है, जो कुल मिलाकर 1700 करोड़ रुपये तक है और 5 रुपये अंकित मूल्य के इक्विटी शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव है, जो कुल मिलाकर 1000 करोड़ रुपये तक है। बिक्री के प्रस्ताव में प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड (प्रवर्तक विक्रय शेयरधारक) द्वारा 5 अंकित मूल्य के इक्विटी शेयर शामिल हैं।प्रेस्टीज होटल वेंचर्स लिमिटेड ने शुद्ध आय से 1121.276 करोड़ रुपये की अनुमानित राशि का उपयोग करने का प्रस्ताव किया है, जो कंपनी और महत्वपूर्ण सहायक कंपनियों, अर्थात् साई चक्र होटल्स प्राइवेट लिमिटेड और नॉर्थलैंड होल्डिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लिए गए 397.248 करोड़ रुपये के उधार की पूर्ण या आंशिक चुकौती या पूर्व-भुगतान के लिए है, ऐसी सहायक कंपनियों में 724.028 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा।

भेड़ चराने गए बीरदेव ढोने को उसके दोस्त ने फोन करके बताया 'तू तो आईपीएस बन गया रे!

यूपीएससी परीक्षा में इस प्रतिभाशाली युवा को 551वीं रैंक मिली

कोल्हापुर। जिले के कागल तालुका के छोटे से गांव यमगे के चरवाहे परिवार के बीरदेव सिद्धाप्पा ढोने (27) ने अपनी प्रतिभा से कमाल कर दिखाया। कठिन हालात के बावजूद अपनी मेहनत के बल पर बीरदेव यूपीएससी 2024 की परीक्षा में 551वीं रैंक हासिल कर आईपीएस अधिकारी बन गए। खास बात यह रही कि जब यूपीएससी परिणाम घोषित हुआ, तब बीरदेव अपने माता-पिता के साथ कर्नाटक-महाराष्ट्र सीमा पर बेलगावी में भेड़-बकरियां चरा रहे थे। उनके दोस्त निशांत देशमुख ने उन्हें फोन कर यह खुशखबरी दी।बीरदेव के पिता चरवाहे हैं और मां गृहणी है। गरीब परिवार से आने वाले बीरदेव ने शुरुआत से ही बड़ी सोच रखी। उनका सपना था भारतीय प्रशासनिक सेवा में जाना और देश की सेवा करना। स्कूली जीवन से ही पढ़ाई में अव्वल रहे। बीरदेव ने गांव के प्राथमिक विद्यालय से लेकर मुरगुड के शिवराज विद्यालय जूनियर कॉलेज तक हर परीक्षा में टॉप किया। 10वीं और 12वीं में वह मुरगुड केंद्र में प्रथम रहे और गणित में 100 में से 100 अंक प्राप्त किए। बाद में उन्होंने 2020 में पुणे के सीओईपी कॉलेज से सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की। लेकिन, उनका लक्ष्य था यूपीएससी पास करना। इसके लिए वे दिल्ली गए और वहां किसी तरह कोचिंग में दाखिला लिया। इस दौरान उन्होंने अपनी अंग्रेजी पर भी ध्यान दिया। इसमें उनके दोस्तों ने भी उनकी मदद की। तीसरे प्रयास में उन्होंने अपना सपना सच कर दिखाया और यूपीएससी क्रैक कर ली। बीरदेव की सफलता में उनके परिवार का योगदान भी बहुत अहम रहा। उनके बड़े भाई वासुदेव ढोने भारतीय सेना में नायक पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने बीरदेव की पढ़ाई में मदद की। दिल्ली में कोचिंग के लिए पैसों की कमी हुई तो उन्होंने अपने दोस्त निशांत देशमुख से मदद मांगी। बीरदेव ने कहा, मेरे भाई पुलिस अधिकारी बनना चाहते थे। लेकिन, आर्थिक मजबूरियों के चलते उन्हें सेना में जाना पड़ा। उन्होंने मुझे हमेशा आगे बढ़ने में मदद की। मैंने ठान लिया था कि मुझे यूपीएससी क्रैक करना ही है, चाहे कुछ भी हो जाए। पिता शुरू में चाहते थे कि मैं कोई नौकरी करूं। मैंने पोस्टमैन के तौर पर 2020 से 2021 के बीच काम किया, लेकिन सिविल सर्विस की तैयारी के लिए इस्तीफा दे दिया। बीरदेव आज कागल तालुका के पहले आईपीएस अधिकारी बन गए हैं। उनकी इस उपलब्धि पर पूरा जिला हर्षित है।

मैसेज अच्छा है पड़ना जरूर

छोटा सा जीवन है, लगभग 80 वर्ष।
उसमें से आधा =40 वर्ष तो रात को
बीत जाता है। उसका आधा=20 वर्ष
बचपन और बुढ़ापे मे बीत जाता है।
बचा 20 वर्ष। उसमें भी कभी योग,
कभी वियोग, कभी पढ़ाई,कभी परीक्षा,
नौकरी, व्यापार और अनेक चिन्ताएँ
व्यक्ति को घेरे रखती हैं।अब बचा ही
कितना यदि हम
थोड़ी सी सम्पत्ति के लिए झगड़ा करें,
और फिर भी सारी सम्पत्ति यहीं छोड़ जाएँ,
तो इतना मूल्यवान मनुष्य जीवन
प्राप्त करने का क्या लाभ हुआ?
स्वयं विचार कीजिये- इतना कुछ होते हुए भी,
1- शब्दकोश में असंख्य शब्द होते हुए भी...
1- मौन होना सब से बेहतर है।
2- दुनिया में हजारों रंग होते हुए भी...
● सफेद रंग सब से बेहतर है।
3- खाने के लिए दुनिया भर की चीजें होते हुए भी...
● उपवास शरीर के लिए सबसे बेहतर है।
4- देखने के लिए इतना कुछ होते हुए भी...
● बंद आँखों से भीतर देखना सबसे बेहतर है।
5- सलाह देने वाले लोगों के होते हुए भी...
● अपनी आत्मा की आवाज सुनना सबसे बेहतर है।
6- जीवन में हजारों प्रलोभन होते हुए भी...
● सिद्धांतों पर जीना सबसे बेहतर है।
इंसान के अंदर जो समा जायें वो
स्वाभिमान
और
जो इंसान के बाहर छलक जायें वो
÷ अभिमान ÷
जब भी बड़ो के साथ बैठो तो
परमेश्वर का धन्यवाद करो ,
क्योंकि कुछ लोग
इन लम्हों को तरसते हैं ।
जब भी अपने काम पर जाओ
तो परमेश्वर का धन्यवाद करो
क्योंकि
बहुत से लोग बेरोजगार हैं ।
परमेश्वर का धन्यवाद कहो
जब तुम तन्दुरुस्त हो ,
क्योंकि बीमार किसी भी कीमत पर सेहत
खरीदने की ख्वाहिश रखते हैं ।
परमेश्वर का धन्यवाद कहो
की तुम जिन्दा हो ,
क्योंकि मरते हुए लोगों से पूछो
जिंदगी की कीमत क्या है।

कांग्रेस पार्टी बाबा साहब की बुद्धिमत्ता को कभी स्वीकार नहीं कर पाई: फग्गन सिंह कुलस्ते

सांसद ने शुक्रवार को संविधान निर्माता आंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में छिंदवाड़ा में आयोजित संगोष्ठी को किया संबोधित

छिंदवाड़ा। मंडला सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते के मुख्य आतिथ्य में स्थानीय प्रधानमंत्री कालेज ऑफ एक्सलेंस के आडिटोरियम में संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। वंदे मातरम गीत के उपरान्त पहलगांव आतंकवादी हमले में शहीद व्यक्तियों के लिए मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने अपने स्वागत भाषण देते हुए सभी अतिथियों एवं श्रोताओं का स्वागत किया। स्वागत भाषण के उपरान्त अनुसूचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष श्रीमती ज्योति डेहरिया ने भारत रत्न डॉ बाबा साहब अंबेडकर के जीवन पर प्रकाश डाला एवं उनके द्वारा देश के लिए किए गए उल्लेखनीय कार्यों को संक्षिप्त में बताया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंडला सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि बाबा साहब विद्वान व्यक्ति थे लेकिन कांग्रेस पार्टी बाबा साहब की बुद्धिमत्ता को कभी स्वीकार नहीं कर पाई और उनको राजनीति में आगे बढ़ने से रोकने के लिए कांग्रेस एवं जवाहरलाल नेहरू ने अनेकों कुप्रयास किये। उन्होंने कहा कि जवाहरलाल नेहरू ने बाबा साहब को चुनाव हराने के लिए कई हथकंडे अपनाए और बाबा साहब को लोकसभा चुनाव में पराजित करवा दिया, यहां तक की मरणोपरांत बाबा साहब की अंत्येष्टि के लिए तत्कालीन कांग्रेस सरकार और जवाहरलाल नेहरू ने दिल्ली में अंतिम संस्कार के लिए जमीन भी नहीं दी और उनका स्मारक बनाने के लिए न तो जमीन उपलब्ध कराई और ना ही स्मारक बनाने को मंजूरी दी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बाबा साहब को सम्मान देने के लिए उनसे जुड़े स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा बाबा साहब का अपमान तिरस्कार किया और भारतीय जनता पार्टी सम्मान दिलाने का काम किया। श्री कुलस्ते ने कहा कि कांग्रेस ने संविधान संशोधन केवल व्यक्तिगत लाभ के लिए किया किंतु भारतीय जनता पार्टी ने देश और समाज के लिए संविधान में संशोधन किया। उन्होंने कहा कि नेहरू सरकार में बाबा साहब कैसे राजनीतिक षड्यंत्र का का शिकार हुए बाबा साहब यदि विद्वान ना होते तो कभी भी वे संविधान सभा के अध्यक्ष ना बन पाते। बाबा साहब के कारण ही आज अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति को रिजर्वेशन मिल पाया है। इस अवसर पर छिंदवाड़ा लोकसभा प्रभारी एवं पूर्व विधायक सिवनी नरेश दिवाकर,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विजय झांझरी, भारिया विकास प्राधिकरण अध्यक्ष दिनेश अंगारिया, संगोष्ठी के संयोजक एवं जिला महामंत्री टीकाराम चंद्रवंशी, एस सी मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती ज्योति डेहरिया, पूर्व जिला महामंत्री उत्तम ठाकुर, सीताराम डेहरिया, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष संजय पटेल, वरिष्ठ भाजपा नेता विजय पांडे, मंडल अध्यक्ष अंकुर शुक्ला, संगोष्ठी के सह प्रभारी, संदीप चौहान, राकेश माइकल पहाड़े, मनीष निर्मलकर सहित बड़ी संख्या में बुद्धिजीवी वर्ग, भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

भाजपा नगर युवा मोर्चा ने आतंकवाद और पाकिस्तान का पुतला दहन किया

मोर्चा के पदाधिकारियों द्वारा दो मिनट का मौन रखकर दी गई श्रद्धांजलि

छिन्दवाड़ा। भाजपा नगर युवा मोर्चा ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आंतकवादी हमले का विरोध जताते हुए शुक्रवार को फव्वारा चौक में आतंकवाद और पाकिस्तान का पुतला दहन करते हुए नारे लगाये। नगर युवा मोर्चा अध्यक्ष बिट्टू विवेक मंडराह, अनुज मल्होत्रा एवं रवि मालवी ने बताया कि पार्टी संगठन की सहमति से एवं सांसद बंटी विवेक साहू के निर्देशानुसार भाजपा नगर युवा मोर्चा ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा कायराना हरकत पर आक्रोश जताते हुए आतंकवाद और पाकिस्तान का पुतला दहन किया गया। उन्होंने बताया कि पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा धर्म पूछ कर निर्दोष लोगों की हत्या की गई। हमें मोदी सरकार पर पूरा भरोसा है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार पाकिस्तान और आतंकियों के लिए कडा रुख अपना रहे हैं भारतवासी प्रधानमंत्री श्री मोदी के फैसले के साथ है। कार्यक्रम के दौरान पहलगाम में निर्दोष नागरिकों की हत्या पर भाजपा नगर युवा मोर्चा द्वारा 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मंडल अध्यक्ष सौरभ ठाकुर, अंकुर शुक्ला, नवीन बारस्कर, रोहित पोफली, बलराम साहू, मनोज बघेल, पप्पू ठाकुर कुंदन मिगलानी, अंकित तिवारी, अंकित सोलंकी, लकी पाल, देवेंद्र गावंडे, आनंद गोहर, कुणाल पाल, मोंटी शमा, विकास वर्मा, समीर उइके, सोमेंद्र ठाकुर, आकाश ठाकुर, राम कृष्ण वानखेड़े, अविनाश शर्मा, प्रथम ठाकुर, राम मोहन सूर्यवंशी, गोलू पाल, सानू पाल, तेजस्व मिश्रा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल की गर्जना, निकाली मशाल यात्रा

विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने शुक्रवार को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में मशाल रैली निकाली। अमित ठेंगे चौक से फव्वारा चौक तक रैली निकालकर भारत सरकार से मांग की गई कि इस आतंकवादी हमले से जुड़े हर शख्स को सज़ा मिले और आतंकवाद के आकाओ को भी सबक सिखाया जाए। इस मशाल रैली में बड़ी संख्या में छिंदवाड़ा के लोग शामिल हुए। वहीं विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने सौंसर में भी रैली निकाली और आतंकवाद का पुतला जलाया।

जलगंगा संवर्धन अभियान में तेजी लाने के निर्देश

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में ग्रामीण विकास विभाग की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सांसद/विधायक निधि से स्वीकृत निर्माण कार्यों, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), मनरेगा, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, स्वच्छ भारत मिशन सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अग्रिम कुमार, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं ग्रामीण यांत्रिकी सेवाओं के कार्यपालन यंत्री, सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, सहायक यंत्री, जिला पंचायत की विभिन्न शाखाओं के परियोजना अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री सिंह ने 30 मार्च से प्रारंभ हुए जलगंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा करते हुए कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने परासिया जनपद पंचायत के सीईओ व एई के कार्य में लापरवाही बरतने पर एक महीने का वेतन रोकने के निर्देश दिए। वहीं, मोहखेड़ और बिछुआ जनपदों के एपीओ पर भी कड़ी कार्यवाही के निर्देश भी दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि 30 जून तक विशेष रूप से जलसंवर्धन कार्यों पर फोकस किया जाए।

एफआरए पट्टा धारकों के संबंध में स्पष्ट निर्देश

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने सभी जनपद सीईओ को निर्देशित किया कि एफआरए के पट्टा धारकों के कपिल धारा कुएं के शत् प्रतिशत निर्माण कार्य पूर्ण किये जाएं।साइट विजिट को लेकर सख्त रुख- कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि 30 अप्रैल के बाद जिन अधिकारियों के कार्यस्थल भ्रमण कम पाए जाएंगे, उनसे शत-प्रतिशत पीओएल की वसूली की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को नियमित विजिट करने और फील्ड गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए।प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति पर जोर- बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने जून 2025 के पहले सप्ताह तक शेष आवासों के निर्माण कार्य पूर्ण करने पर जोर दिया। साथ ही आवास प्लस योजना के तहत बचे हुए लक्ष्यों को भी शीघ्र पूरा करने की हिदायत दी। बिछुआ के ब्लॉक कॉर्डिनेटर को काम में लापरवाही पर नोटिस जारी करने के निर्देश दिए । उन्होंने अधूरे प्रधानमंत्री आवासों पर नाराजगी जताई और तय समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए।

कलेक्टर शीलेंद्र सिंह को प्रदान किए पक्षियों के पीने के पानी हेतु जलपात्र

छिंदवाड़ा। इस भीषण गर्मी में पक्षियों के पानी पीने हेतु जल पात्रों का वितरण स्काउट गाइड के छात्रों द्वारा भारत स्काउट एवं गाइड जिला संघ छिंदवाड़ा के वार्षिक कार्यक्रमानुसार सभी स्काउट गाइड युक्त विद्यालय अपने स्काउट गाइड के शिक्षकों के साथ सतत कर रहे है इसी श्रखला में गुरुवार को बालाजी पब्लिक स्कूल छिंदवाड़ा की स्काउट गाइड के छात्र छात्राओं के द्वारा पक्षियों हेतु दाना पानी हेतु जल पात्रों के वितरण हेतु कलेक्टर कार्यालय में पहुंचकर कलेक्टर शीलेंद्र सिंह को प्रदान कर उन्हे अपनी सेवा भावी कार्यों की जानकारी प्रदान की। इसके साथ ही कलेक्टर कार्यालय परिसर स्थित वृक्ष में स्वयं कलेक्टर शीलेंद्र सिंह द्वारा पक्षियों के पीने के लिए पानी के जल पात्र को टांगा गया एवं उसमें पानी डालकर अभियान की शुरुआत की गई।

अनुशासन बचपन से ही सिखाया जाना चाहिएः धारकर

मनाया विद्यालय प्रवेश उत्सव

छिन्दवाड़ा। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-1 छिंदवाड़ा में बालवाटिका- तीन एवं दोनों पालियों की कक्षा पहली का विद्यालय प्रवेश उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-1 छिंदवाड़ा के प्राचार्य हरिप्रसाद धारकर, प्रधान पाठक एस.के. साहू, वरिष्ठ शिक्षक डी.आर. नागवंशी, सुरेखा डेविड, अमिता सक्सेना एवं अभिभावक और नन्हें-मुन्ने बच्चों के द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर प्राथमिक विभाग के छात्र-छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। श्रीमती सुरेखा डेविड ने स्वागत भाषण दिया। केंद्रीय विद्यालय की विस्तृत जानकारी श्रीमती सोनू आशीष वर्मा, परीक्षा संबंधित जानकारी सुश्री मंजू कुशवाह, शुल्क भुगतान संबंधित जानकारी विकास साहू, छात्र-छात्राओं द्वारा करने योग्य कार्य, श्रीमती आकांक्षा गुप्ता द्वारा विस्तार से रखे गए।

फिर भाजपा सरकार का अत्याचार , झेलते जाओ महंगाई की मार: कांग्रेस

शहर कांग्रेस व कांग्रेस पार्षद दल ने चलाया हस्ताक्षर अभियान

छिन्दवाड़ा। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ ने कभी भी जनता पर टैक्स का भार नहीं डाला। निगम में जब तक कांग्रेस की सरकार रही तब तक किसी प्रकार के टैक्स में बढ़ोत्तरी नेताद्वय ने नहीं होने दी, किन्तु जैसे ही भाजपा की सरकार आई उन्होंने सर्वप्रथम जनता पर कर का बोझ डाला, क्योंकि बात केन्द्र हो या फिर राज्य की जब-जब भाजपा ने सत्ता संभाली तब-तब जनता को महंगाई का सामना करना पड़ा है।भाजपा की सरकार में हर छोटी-बड़ी वस्तुओं के दाम आसमान पर है। जनता के टैक्स से चलने वाली जनसुविधाएं भी अब महंगी हो चुकी है, जिसका सीधा असर जनता की जेब पर ही पड़ रहा, किन्तु इससे भाजपा को कोई सरोकार नहीं है, क्योंकि उसे जनता की चिंता केवल और केवल चुनाव के समय होती है इसके बाद क्या समस्याएं हो रही, नागरिक क्यों परेशान है इससे कोई लेना देना नहीं है। इसीलिये जनता के हितों के खिलाफ जाकर भाजपा ने जलकर, सम्पत्ति कर व स्वच्छता कर सहित अन्य करों में मनमानी वृद्धि कर दी है जिसका असर तत्काल ही दिखाई देने लगा है, क्योंकि यह भाजपा की सरकार है जिसने केन्द्र से राज्य व निगम तक जनता पर महंगाई और सिर्फ महंगाई ही डाली है।

फिर भाजपा सरकार की मार

जनता पर डाले गए टैक्स के बोझ के विरोध में शहर कांग्रेस कमेटी एवं कांग्रेस पार्षद दल के द्वारा शहर के वार्ड क्रमांक 40 एवं वार्ड क्रमांक 45 नोनिया करबल में पहुंचे कांग्रेस के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने व्यापारिक प्रतिष्ठानों के साथ ही प्रत्येक घर-घर पहुंचकर व्यक्तिगत बढ़ाए गए कर के खिलाफ हस्ताक्षर लेकर जनसमर्थन जुटाया। कांग्रेस के वक्ताओं ने आमजन का समर्थन जुटाते हुए बताया कि भाजपा रोजमर्रा की प्रत्येक वस्तुओं के दामों में वृद्धि कर जनता को लूट रही है। जब तक जनसमर्थ इसके खिलाफ आवाज नहीं उठाएगा तब तक भाजपा की मनमानी इसी तरह जारी रहेगी जिसकी खिलाफत नितांत आवश्यक है। आयोजित हस्ताक्षर अभियान में कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारीगण व कार्यकर्तागण सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

हजारों जरूरतमंद भंडारे से हुए लाभान्वित

छिंदवाड़ा। संत आशाराम आश्रम लिंगा में प्रति माह आमवस्या के समय भण्डारे का आयोजन सम्पन्न होता हैं। इसी कड़ी में आज बापू का छठी महोत्सव मनाया गया । छठी महोत्सव अवतरण दिवस के 6 दिन बाद आता हैं। इस दौरान साध्वी रेखा बहन का दिव्य सत्संग सम्पन्न हुआ। साध्वी बहन ने बताया कि लगभग 4 वर्षों से यहाँ अमावस्या के आसपास भण्डारे और सत्संग का आयोजन होता हैं । जिससे लिंगा ग्राम के आसपास के हजारों जरूरतमंदों को जरूरी सामग्री भेंट की जाती हैं । पूज्य बापूजी ऐसे पहले सन्त हैं जिनका अवतरण दिवस के साथ साथ छठी महोत्सव मनाया जाता हैं । इस आश्रम से वर्ष भर कई अन्य सेवाएं भी संचालित होती हैं जिसमें अभी गर्मी के दिनों में पानी के प्याऊ, कीर्तन यात्रा,प्रतिमाह अमावस्या के समय भण्डारे , दीपावली पर्व पर भण्डारे, ठंड में कम्बल, वस्त्र, बरसात में रेनकोट, छतरी भेंट किये जातें हैं। यहाँ की महिला समिति, युवा सेवा संघ और साधक भाई बहन सभी सेवाओं में बढ़ चढ़ के हिस्सा लेते हैं। सनातन संस्कृति के रक्षक संस्था शहर में जो भी सेवाएं करतें हैं ; जिसमें ज्ञापन, रैली वगैरह होतें हैं उसमें लिंगा आश्रम की सेवाएं भी सम्मिलित रहती हैं । सारे पर्व और त्यौहार यहाँ मनाए जाने के साथ जिला जेल में प्रति माह सत्संग के साथ साथ देस भर के अन्य राज्यो में सत्संग आयोजन होते है जिसमे गुरु ज्ञान के अलावा सनातनसंस्कृति का प्रचारप्रसार होता है ।यहाँ के सभी आयोजनों में जिले भर के सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि शिरकत करते है । आज मुख्य अतिथि के रूप में जिला भाजपा अध्यक्ष एव पूर्व मंडी अध्यक्ष शेषराव यादव, अजय सक्सेना, दिवाकर सदारंग, हिन्दू उत्सव समिति के सन्टी बेदी, जनभागीदारी समिति भारत घई, सभा पति बंटी उईके, जिला पंचायत सदस्य ललिता विलास घोंगे उपस्थित रहे । जिन्होंने आश्रम परिसर में बने भव्य मंदिर का उद्घाटन कर जरूरतमंदों को राशन सामग्री भेंट कर प्रसन्नता जाहिर की ।

छिंदवाड़ा में शूट हुई वेब सीरीज़ 'सरपंच साहब'

30 को होगी OTT प्लेटफॉर्म Waves पर रिलीज

छिंदवाड़ा। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड और जिला प्रशासन छिंदवाड़ा के सहयोग से निर्मित वेब सीरीज़ 'सरपंच साहब' 30 अप्रैल को रिलीज होने जा रही है।इस वेब सीरीज़ की 90 प्रतिशत से अधिक शूटिंग लगभग 18 माह पहले तामिया और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में की गई थी, जबकि कुछ हिस्सों की शूटिंग पांढुर्णा में हुई।सीरीज़ की खास बात यह है कि इसमें छिंदवाड़ा के स्थानीय कलाकारों को राष्ट्रीय स्तर के अभिनेताओं के साथ काम करने का मौका मिला है। यह प्रोजेक्ट न सिर्फ स्थानीय प्रतिभाओं को मंच देने का प्रयास है, बल्कि मध्यप्रदेश के प्राकृतिक सौंदर्य और संस्कृति को भी दर्शाने का एक बेहतरीन माध्यम है।'सरपंच साहब' की रिलीज से पहले ही क्षेत्रीय दर्शकों में खासा उत्साह देखा जा रहा है, और यह वेब सीरीज़ छिंदवाड़ा के लिए एक गर्व का विषय बन गई है।

गणेश जी की आकृति आई टमाटर में

छिंदवाड़ा। शहर के बड़े प्रतिष्ठित व्यापारी व समाजसेवी नरेंद्र साहू के पास एक शख्स आकर एक अनोखा टमाटर देकर गया , जिसमे हूबहू गणेश जी की प्रतिमा की झलक साफ दिखाई दे रही है। इसको लेकर लोगो मे इसे देखने भीड़ उमड़ पड़ी।

हज यात्रियों का टीकाकरण आज

छिंदवाड़ा। हज के मुबारक सफर पर जाने वाले यात्रियों का टीकाकरण शनिवार 26 अप्रैल को किया जाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष रिजवान कुरैशी ने बताया कि जिला अस्पताल में शनिवार को दोपहर 11 बजे से हज यात्रियों का टीकाकरण किया जाएगा। इसके लिए जिला हज कमेटी और स्वास्थ्य विभाग द्वारा तैयारियां कर ली गई हैं। गौरतलब है कि इस वर्ष छिंदवाड़ा व पांढुर्ना जिले से लगभग 130 लोग हज यात्रा पर जाने वाले हैं। अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष श्री कुरैशी ने बताया कि हज यात्रा पर जाने वालों के लिए छिंदवाड़ा ज़िला मुख्यालय स्थित भारतीय स्टेट बैंक की नई आबादी शाखा मनी एक्सचेंज की सुविधा उपलब्ध है। सभी हज यात्री वहां से मनी एक्सचेंज कर रियाल प्राप्त कर सकते हैं। हालांकि मनी एक्सचेंज के पहले चरण में मुंबई से एंबारकेशन प्वाइंट से जाने वाले हज यात्रियों को रियाल प्रदान किए जाएंगे। छिंदवाड़ा व पांढुर्ना के हज यात्रियों के लिए मुंबई से 5 मई को उड़ान भरी जाएगी। वहीं नागपुर एंबारकेशन प्वाइंट से जाने वालों के लिए पहली उड़ान 26 मई को होगी।

भोपाल में किया सांसद बंटी विवेक साहू का सम्मान

छिंदवाड़ा। अखिल भारतीय क्षत्रिय लोणारी कुनबी समाज भोपाल के द्वारा भोपाल प्रवास पर गये सांसद बंटी विवेक साहू का सम्मान किया गया। इस दौरान समाज के पदाधिकारियों ने सांसद श्री साहू को शाल श्रीफल एवं मोमेन्टो भेंट किया।

इमलीखेड़ा, अर्धशहरी औद्योगिक संस्थान, एग्रो कॉम्पलेक्स खजरी का किया निरीक्षण

छिंदवाड़ा। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र छिंदवाड़ा के महाप्रबंधक आर.एस. उइके द्वारा आज जिले में स्थापित औद्योगिक क्षेत्र इमलीखेड़ा, अर्धशहरी औद्योगिक संस्थान सुक्लूढाना एवं एग्रो कॉम्पलेक्स खजरी का निरीक्षण किया गया। जिसके अंतर्गत लघु उद्योग निगम बोर्ड भोपाल द्वारा किए जा रहे अधोसंरचना के विकास अंतर्गत सीमेंट कांक्रीट रोड एवं नाली निर्माण के कार्यों का अवलोकन किया गया एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

तापमान में वृद्धि होने के कारण शाला संचालन के समय में परिवर्तन

पांढुर्ना। मध्यप्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा विभाग भोपाल के पत्र 03 जून 2024 के द्वारा जारी निर्देश के परिपालन में पांढुर्णा कलेक्टर श्री अजय देव शर्मा द्वारा ग्रीष्म ऋतु के दौरान तापमान में वृद्धि होने के कारण विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े इसके लिये पांढुर्णा जिले की सभी शासकीय, अशासकीय शिक्षण संस्थाओं में 30 अप्रैल तक शाला संचालन के समय परिवर्तन का आदेश जारी किया गया है। पांढुर्णा कलेक्टर श्री शर्मा सिंह ने बताया कि सभी शासकीय, अशासकीय, सीबीएसई, आईसीएसटी, अनुदान प्राप्त शिक्षण संस्थाओं में अध्ययनरत कक्षा नर्सरी से कक्षा 12वीं के सभी शाला संचालन का समय प्रातः 7.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक किया गया है। इस दौरान परीक्षाओं का संचालन पूर्व निर्धारित समय-सारणी के अनुसार रहेगा तथा मूल्यांकन कार्य अपने यथावत समय पर संपादित होंगे।

मेढ़ो वाले तालाब का गहरीकरण एवं जीर्णोद्धार कार्य किया

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार म.प्र.जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक अखिलेश जैन व विकासखंड समन्वयक के कुशल मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत विकासखंड अमरवाड़ा की ग्राम पंचायत सेजा में मेढ़ो वाले तालाब का गहरीकरण एवं जीर्णोद्धार कार्य का शुभारंभ किया गया। इस दौरान विधायक प्रतिनिधि दीपक नेमा, ग्राम सेजा के सरपंच गंगाराम डेहरिया, एस.डी.एम. अमरवाड़ा हेमकरण धुर्वे, तहसीलदार श्री मरावी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत जयदेव शर्मा, ए.ई जनपद पंचायत एन.एम.ब्रम्हे, पटवारी, पंचगण, मातृशक्ति एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

श्रीराम पटेल पंचतत्व में विलीन

छिंदवाड़ा। ग्राम सोनापिपरी निवासी श्रीराम सिंह पटेल का दुःखद निधन हो गया वे चक्रपाल सिंह पटेल, विजयपाल सिंह पटेल, संजय पटेल के पिताजी थे। उनके अंतिम संस्कार में समाज के सभी वर्ग के लोग शामिल हुए और श्रद्धांजलि अर्पित की।

मलेरिया जनजागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

छिन्दवाड़ा। प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी 25 अप्रैल 2025 को विश्व मलेरिया दिवस के रूप में मनाया गया । वर्ष 2025 में मलेरिया का अंत हमारे साथ- पुनर्निवेश, पुनर्कल्पना, पुनर्जाग्रति विश्व मलेरिया दिवस की थीम रही। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय एवं परिवार कल्याण विभाग नई दिल्ली द्वारा फरवरी 2016 में नेशनल फ्रेमवर्क फॉर मलेरिया एलिमिनेशन 2016-2030 जारी किया गया, जिसमें भारत में मलेरिया एलिमिनेशन का लक्ष्य 2030 रखा गया है। जिले में विश्व मलेरिया दिवस पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एन.के. शास्त्री के मार्गदर्शन में मलेरिया जनजागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। जिला मलेरिया अधिकारी श्री देवेंद्र भालेकर द्वारा कार्यशाला में पावर पॉईट प्रजेंटेशन के माध्यम से जिले में मलेरिया की एपिडमियोलॉजिकल सिचुएशन पर चर्चा, मलेरिया रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए मलेरिया हाईरिस्क ग्रामों में नियमित मलेरिया जांच कराने एवं वैक्टर नियंत्रण के लिए कीटनाशक मच्छरदानियों के उपयोग को प्रेरित करने पर जोर दिया गया है। स्वास्थ्य कार्यकर्ता आशा को हेण्ड्ऑन प्रशिक्षण देने तथा गांव में माइग्रेटरी पापुलेशन की त्वरित मलेरिया जांच करने एवं ग्रामों में मच्छरों के प्रजनन स्थल की मेपिंग एवं उनमें मच्छरों के प्रजनन को रोकने पर जोर दिया गया। जिले में वर्ष 2014 में कुल 4020 मलेरिया पॉजिटिव केस थे। विभाग के प्रयास एवं जनसमुदाय के सहयोग से मलेरिया केसेस में लगातार कमी आ रही है वर्ष 2024 में कुल मलेरिया केसेस घटकर 219 रहे। जिले में ग्राम स्तर पर आशा एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्वारा नियमित रूप से बुखार के रोगियों की मलेरिया जांच व उपचार किया जा रहा है। वर्ष 2017, 2019, 2020 एवं वर्ष 2024 में जिलें के मलेरिया प्रभावित 842 ग्रामों में कीटनाशक मच्छरदानियों का वितरण किया गया है। इनका उपयोग मलेरिया वाहक नियंत्रण में सबसे प्रभावी सशक्त कदम है, परिणामस्वरूप ही मलेरिया केसेस में गिरावट परिलक्षित हुई।

दीवार लेखन के माध्यम से जल बचाने के लिए लोगों को किया प्रेरित

छिन्दवाड़ा। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आव्हान पर जिला कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार म.प्र.जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री अखिलेश जैन एवं विकासखंड समन्वयक संजीव भावरकर के कुशल मार्गदर्शन में एवं परामर्शदाता श्रीमती नमिता सिंह के नेतृत्व में विकासखंड परासिया के सेक्टर क्रमांक-5 की ग्राम पंचायत हर्रई में एमएसडब्ल्यू की छात्रा नीतू मस्तकार के द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल बचाने के लिए दीवार लेखन के माध्यम से लोगों को प्रेरित किया गया किया ।

जल संरक्षण के लिए किया कार्य

कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड छिंदवाड़ा द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल स्त्रोत, नल कनेक्शन, जल वितरण वॉल का सुधार कार्य एवं पानी का अपव्यय की रोकथाम के लिये ग्राम रोहनाखुर्द व ग्राम कुदवारी में कार्य किया गया।

सेन समाज ने मनाया सेन महाराज का जन्मोत्सव

आतंकवादी घटना की कड़ी निंदा करते हुए मृतकों को दी श्रद्धांजलि

छिंदवाड़ा। सेन समाज छिंदवाड़ा द्वारा सेन जी महाराज की जन्मोत्सव (सेन जंयती) को धूमधाम से मनाया गया सेन समाज के लोगों ने सेन मंदिर प्रांगण (सेन भवन) में भारी संख्या में एकत्र होकर सेन जी महाराज की पूजा आराधना कर हवन पूजन की तत्पश्चात प्रसाद वितरण किया और एक दूसरे को शुभकामनाएं दी। सेन समाज जिला अध्यक्ष सागर बंदेवार ने बताया कि संत शिरोमणि श्री सेन जी महाराज 725 वीं जयंती सेन समाज द्वारा मनाई गई इस अवसर पर डॉक्टर आशीष सराठे ने सेन भवन और मंदिर के लिए रंगरोगन में जितना भी खर्च आएगा संपूर्ण खर्च उठाने की जवाबदारी ली और रंगरोगन कार्य पूर्ण कराने की बात कही । वरिष्ठ संरक्षक सेवक बन्देवार ने कहा कि समाज उत्थान में निरंतर कार्य चलते रहना चाहिए। पूजन मुख्य यजमान पूर्व अध्यक्ष और मंदिर निर्माण समिति अध्यक्ष सुरेंद्र सेन ने की। उन्होनें कहा कि सेन समाज के लोगों ने एकता का परिचय देते हुए पहलगाम करता पूर्ण हमले की कड़ी नंदा की और दोषियों को चुन चुन कर सबक सिखाने की बात कही तत्पश्चात सेन समाज के लोगों ने हमले में शहीद हुए देशवासियों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी । इस अवसर पर मातृशक्ति हेमलता सराठे, सरोज बन्देवार, पुष्प लता सेन,संजना चौहान,रोशनी श्रीवास ,दुर्गा बन्देवार ,व भाजपा मंडल अध्यक्ष माया बन्देवार, वरिष्ठ संरक्षक रमेश सेन,मुकेश सराठे, राधेश्याम सराठे, यशपाल सराठे, सेवक राम बन्देवार, डा.अशीष सराठे,डा.महेश बन्देवार, प्रदीप सराठे, सुरेन्द्र सेन, रामनरायण सराठे,राम उसरेठे, रवि सराठे,पवन बन्देवार,राजू बन्देवार, अमीत सराठे, उमेश बन्देवार,सागर बन्देवार रोहित श्रीवास, अनिकेत बन्देवार आदि सामाजिक बंधु उपस्थित थे ।

आतंकवादी घटना के विरोध में व्यापारियों का भोपाल बंद

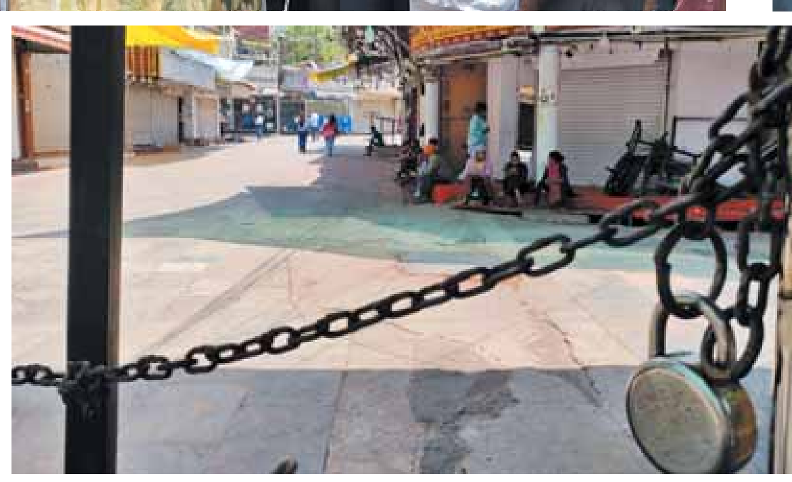

भोपाल में जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी घटना के विरोध में सभी व्यापारिक संस्थान बंद रखकर बडी संख्या में उपस्थित होकर हिन्दू पर्यटकों की आत्मा की शांति हेतु दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की, मोमबत्ती जलाकर विरोध प्रदर्शन किया तत्पश्चात आतंकवाद का पुतला दहन किया गया। आज कोलार व्यापारी महासंघ द्वारा चंद्रशेखर मार्केट में व्यापारी संघ ने प्रदर्शन किया। इस अवसर पर महासंघ के अध्यक्ष सुनील सिंह, संयोजक हरीश यादव, उपाध्यक्ष हेमंत पमनानी, सचिव संदीप श्रीवास्तव, राजीव सेंगर, नीरज चतुर्वेदी, बलराम पाल, अनिल चतुर्वेदी, मोनू राजपूत, रसिक मनी, तेज सिंह ठाकुर, वीरेंद्र राठौर, डॉक्टर गौरव विजयवर्गी, अभिषेक चौरे, रोहित, आनंद सावरीकर सहित बड़ी संख्या में व्यापारी बंधु उपस्थित हुए।

विवेक तन्खा का जीवन अनुकरणीय, मानवता की सेवा में हमेशा आगे हैं: जस्टिस माहेश्वरी

होटल जहांनुमा पैलेस स्क्रीनिंग में रेनेसां मैन की डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शित, नामी शख्सियतें रहीं मौजूद

भोपाल। हम सभी को जब कभी मानवता के लिए काम करने का मौका मिले, जरूर करें और कभी अपनी सीमाएं नहीं लांघे। तन्खा का जीवन अनुकरणीय है और मैं बिना डॉक्यूमेंट्री देखे यह बात कह सकता हूं। वहीं, डॉक्यूमेंट्री में दिखाया गया कि तन्खा राहत संस्था के माध्यम से निःशुल्क

मेडिकल कैंप करते हैं। चिल्ड्रन विद स्पेशल नीड्स के लिए कई जिलों में स्कूल चला रहे हैं। मंडला जिले में ब्लड बैंक की शुरुआत से लेकर कोविड-19 में जबलपुर में दो कंटेनर ऑक्सीजन पहुंचाकर सैकड़ों लोगों की जान बचाई। कोविड के दौरान 800 कश्मीरी छात्रों को वापस घर पहुंचाया। यह बात सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस जेके महेश्वरी ने फिल्म रेनेसंस मैन्य का प्रदर्शन के दौरान कही। होटल जहांनुमा पैलेस में फिल्म का प्रदर्शन हुआ। यह डॉक्यूमेंट्री 17 मई को कान्स व 21 जून को न्यूयॉर्क फिल्म फेस्टिवल में दिखाई जाएगी। श्रेनेसां मैनश् डॉक्यूमेंट्री को फिल्ममेकर अजय चिटनीस ने तैयार किया है। लगभग एक घंटे की इस डॉक्यूमेंट्री में श्री तन्खा द्वारा लड़े व जीते गए निर्णायक केसों को भी डॉक्यूमेंट्री में देश की जानी-मानी शख्सियतों की जुबानी सुनाया गया।

जानकारी के अनुसार राजधानी भोपाल के वरिष्ठ अधिवक्ता अजय गुप्ता, लोकप्रिय समाजसेवी अरुणेश्वर सिंह सिंहदेव तथा डॉ. अजय गोयनका द्वारा मध्यप्रदेश में जन्मे नर्मदापुत्र सुप्रीम कोर्ट के विद्वान अधिवक्ता एवं राज्यसभा सदस्य विवेक कृष्ण तन्खा की जीवनी पर आधारित बनाई गई फिल्मकार अजय चिटणिस के फिल्म का प्रदर्शन कराया गया, तब आप यह जानकर चौंक जाएंगे कि मध्यप्रदेश के इतिहास में आज तक कभी भी किसी राजनीतिक हस्ती अथवा अधिवक्ता की फिल्म को देखने के लिए समाज के सभी वर्गों का नेतृत्व करने वाले प्रमुख लोगों ने भागीदारी की और 65 मिनट तक विवेक तन्खा की जीवनी पर बनी इस फिल्म को बिना रोक टोक देखी गई। और तो और सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जितेंद माहेश्वरी, जिन्हें इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था, उन्होंने अपने संक्षिप्त भाषण में विवेक तन्खा के एक श्रेष्ठ इंसान और उनमें इंसानियत की परिभाषा को कुछ इस तरह परिभाषित किया, जिसे सुनकर समाज सेवा के नाम पर तथाकथित श्रेय लूटने वालों के रोंगटे खड़े हो गए। जस्टिस माहेश्वरी ने कहा कि मुरैना जिले में जहां उनकी जन्मभूमि है, वहां पर हाल ही में विवेक तन्खा के नेतृत्व में गरीबों के लिए आयोजित किए गए स्वास्थ्य शिविर में 1 लाख 73 हजार लोग आए, यह आंकड़ा सुनकर सरकार के भी रोंगटे खड़े हो जाने चाहिए, क्योंकि यदि विवेक तन्खा के मोटिवेशन से रोटरी क्लब द्वारा बुलाए गए देश भर के सैकड़ों डाक्टरों द्वारा स्वास्थ्य शिविर में लाखों गरीब आ रहे हैं तो फिर कहीं न कहीं सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर बड़े सवाल खड़े होते हैं। यह लिखने में संकोच नहीं है कि कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य हैं, लेकिन उनकी फिल्म को देखने के लिए कांग्रेस के नेता जीतू पटवारी, जयवर्द्धन सिंह आधे घंटे देरी से आए, जबकि राजनीति से ऊपर उठकर डॉक्टर मोहन यादव की सरकार में कैबिनेट मंत्री विश्वास कैलाश सारंग कार्यक्रम शुरू होने से आधे घंटे पहले आ गए। रोमांचित करने वाला वाक्या यह है कि भारतीय जनता पार्टी के नेता और डा. मोहन यादव की सरकार में मंत्री के रूप में इस कार्यक्रम में उपस्थित विश्वास सारंग ने यह कहने में संकोच नहीं किया कि राजनीति अपनी जगह है, लेकिन तन्खा साहब की विद्वता राजनीति से बहुत ऊपर है और उलझनों को सुलझाने में तन्खा साहब की कोई सानी नहीं है। विश्वास सारंग ने यहां तक कहा कि कई बार उलझनों से निकलने के लिए तन्खा साहब की सलाह लेने के लिए उनके पास जाने में वे संकोच नहीं करते। बता दें कि इस अवसर पर सेंट्रल इंडिया प्रेस क्लब के पदाधिकारियों सहित राजधानी के सैकड़ों पत्रकारों ने विवेक तन्खा की जीवनी पर बनी इस फिल्म को कल शाम पूरी शिद्दत से देखी। और तो और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष नर्मदा प्रसाद प्रजापति तथा जबलपुर के पत्रकार आशीष शुक्ला तो उन लोगों में से थे, जिन्हें इंतजामकर्ता के रूप में देखा गया। इस रिपोर्ट का लब्बोलुआब यह है कि झीलों की नगरी भोपाल की शाम जितनी खूबसूरत होती है, वही शाम कल अपने दुगने शबाव के साथ उस समय उससे ज्यादा खूबसूरत लग रही थी, जब कारवां थम नहीं रहा था, लोग विवेक तन्खा पर फिल्माई गई डाक्यूमेंट्री फिल्म को देखते हुए रोमांचित ऐसे हो रहे थे, जैसे राजधानी भोपाल में कानून तथा राजनीति के अमिताभ बच्चन को देखने लोगों की भीड़ लगी थी, ऐसा माना जाए तो चौंकिएगा मत।